नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एक रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोएडा में एक मात्र स्थान
ई. 33, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 14 सितंबर 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 23 अंक : 151 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

● हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर किया स्वागत

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत

किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था।

रात करीब 2 बजे मठ पहुंची महादेवी

महादेवी को वनतारा से गुरुवार शाम करीब 5 बजे रवाना किया गया था। करीब 1,160 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के बाद वह शनिवार रात करीब 2 बजे नांदणी जैन मठ पहुंची। उसके पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए।

अब उत्तराखंड में पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन

● 11 किलोमीटर लंबी सुरंग हो गई आर-पार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में

जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है। यहां रेल लाइन बिछाने से ज्यादा चुनौती सुरंगों का निर्माण है। ऊंचे पहाड़, कठिन भूगर्भीय परिस्थितियां और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण का काम लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है।

गणेशोत्सव आज से, घर-घर विराजेंगे बप्पा

इस बार हरतालिका तीज का भी साथ में बन रहा संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इसी दिन हरतालिका तीज का व्रत भी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बन रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। हरतालिका तीज पर पूजन-व्रत से सुख-सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। कल चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान उज्जैन के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना चलेगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे।

तृतीया-चतुर्थी का संयोग विशेष फलदायी

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला ने बताया कि शास्त्रीय मत में यदि हरतालिका तीज, चतुर्थी के साथ आती है तो इसे सामान्य से अधिक फलदायी माना जाता है। तृतीया युक्त चतुर्थी को सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए विशेष माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी सोमवार को पड़ रही है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव माने गए हैं और चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणेश हैं। ऐसे में गणेश जी के साथ शिव जी के भक्तों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गणेश पूजा से बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। भगवान गणेश की पूजा में हरी और ताजी दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है। भगवान को लाल फूल, विशेषकर गुड़हल, लाल चंदन, सिंदूर और लाल या पीले वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। पूजा में शमी के पत्ते भी चढ़ाएं। भोग में मोदक, लड्डू, फल, नारियल और अन्य मिठाइयां रखी जा सकती हैं। गणेश पूजा में तुलसी दल नहीं रखना चाहिए।

इंडोनेशिया में 243 यात्री वाला जहाज समंदर में डूबा

● 102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, 140 की तलाश जारी

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था।

गोवा में एएपी ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

● अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे विस चुनाव

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी

के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के मतदाता कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस को सत्ता में चुनते रहे हैं, लेकिन अब उनके सामने एक नया विकल्प होगा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि गोवा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच गठबंधन चल रहा है।

बीजेपी को पता है उसकी सरकार नहीं बनेगी

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी वालों को पता है कि उनके सरकार नहीं आने वाली। उन्हें पता उनकी बहुमत नहीं मिलने वाला। इसके बावजूत वो कॉन्फिडेंट है कि वो सरकार बना लेंगे। लेकिन अब लोगों के पास एक नया ऑप्शन आ गया।

ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है

पीएम मोदी बोले-ग्लोबल साउथ देशों का भरोसा बढ़ा

सहयोग और विविधता को सेलिब्रेट कर पूरी हुई ब्रिक्स समिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विविधता और सहयोग को सेलीब्रेट करते हुए ब्रिक्स समिट पूरी हुई। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत ने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि ब्रिक्स में उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभव का सम्मान होता है और समाधान उनके लिए नहीं, उनके साथ मिलकर बनाए जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है। ब्रिक्स के पार्टनर देश और आउटरीच के लिए आमंत्रित विशेष प्रतिनिधियों के साथ एक सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है।

पीएम मोदी का सबको साथ लेकर चलने पर जोर

पीएम ने कहा कि महामारियों, क्लाइमेट डिजास्टर और सप्लाई चेन में गतिरोध ने दिखाया है कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समूह में कई कदम उठाए हैं। मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए हमने टेक्नॉलजी को अपनाने में सबको साथ लेकर चलने पर जोर दिया है।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक असर प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है।

मित्रता, सहभागिता और सहयोग...ऐसे हुआ समापन

उन्होंने कहा कि भारत ने ब्रिक्स के मंच से मित्रता, सहभागिता और सहयोग को आगे बढ़ाया है। हमारी कोशिश है कि ब्रिक्स सहयोग सिर्फ सरकारों तक सीमित ना रहे। हमारे उद्यमी, किसान, रिसर्चर, महिलाएं, युवा इसके सक्रिय भागीदार बनें।

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम, साथ में किया नाश्ता

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स

समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे पार्टी के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे। 21 अगस्त 2024 को पीएम बनने के बाद अनवर इब्राहिम भारत आए थे। इस दौरान भी उन्होंने राहुल से मुलाकात की थी।

घुसपैठ कर रहे बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ ने मारा

बीजीबी ने कबूला सच, तारिक रहमान सरकार निशाने पर

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएसएफ ने भारत की सीमा में घुसपैठ करने वाले एक बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये तस्कर बांग्लादेश के ठाकुरगाव के पीरगंज उपजिले में सीमा के पास मारा गया है। प्रोथोम आलो ने बताया है कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की गोलीबारी में घायल हुए बांग्लादेशी तस्कर की इलाज के दौरान मौत हो गई। भारत के उत्तरी दिनाजपुर जिले के रायगंज में चोकशिबानंद कैंप के बीएसएफ जवानों की गोली से असदुल हक नाम का ये तस्कर घायल हुआ था। बीएसएफ ने शनिवार सुबह आरोपी तस्कर को एक अस्पताल में भर्ती करवाया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मायावती ने बीमार होने की अफवाहों को किया खारिज

कहा-बिल्कुल ठीक हूं, आकाश अभी भी ससुर के दिमाग से चल रहे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं- पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे एक्स पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10.04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया।

मायावती ने भतीजी को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया। ट्वीट करके आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया।

भारत को तोड़ने वाले यूनाइटेड किंगडम के होंगे 3 टुकड़े!

● स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता आज करेंगे ऐतिहासिक समझौता

लंदन (एजेंसी)। कार्डिफ में रविवार रात हुए एक सीक्रेट राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे यूनाइटेड किंगडम के भविष्य पर बहुत बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। द टेलीग्राफ की एक सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक यूके का इतिहास बदलने वाले एक समझौते पर दस्तखत करने के लिए स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष नेता एक मंच पर जुट रहे हैं। सोमवार को होने वाली इस अभूतपूर्व बैठक में तीनों राष्ट्रों के फर्स्ट मिनिस्टर्स जॉन स्विनी, रून एप आयोवर्थ और मिशेल ओ नील एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसका सीधा मकसद यूनाइटेड किंगडम को तीन हिस्सों में विभाजित करने और आजादी के लिए नया जनमत संग्रह कराने की राह आसान करना है। द टेलीग्राफ ने बताया है कि स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए इकट्ठा होंगे जिसका मकसद यूनाइटेड किंगडम को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करना है।

ब्रिटेन के इतिहास में होगा यह पहला मौका

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि ब्रिटेन के इतिहास में यह पहला मौका है जब स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड तीनों ही स्थानों पर एक साथ आजादी का समर्थन करने वाली सरकारें सत्ता में हैं। इस त्रिस्तरीय गठबंधन ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम पर सीधा दबाव बना दिया है। एंडी बर्नहैम कुछ ही दिन पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने हैं और अब वो बड़ी मुसीबत में फंस चुके हैं।

DEV MEDICARE CHEMIST
Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD
Allopaathic & Ayurvedic Medicine
BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics
ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM
100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007
TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹1,36,600/-
Making Charges 8%
100% BUY BACK + EXCHANGE
पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं। इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

मुख्यमंत्री भगवंत मान की बड़ी घोषणा; एच.आर.-2 रोड अब 'शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह मार्ग' के नाम से जानी जाएगी

पंजाब सरकार शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह का सम्मान करके अपना फर्ज निभा रही है- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़, भेदी नज़र। अपने शूरवीरों की कुर्बानी को कभी भी लोगों के मन से भुलाने न देने का संकल्प लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने न्यू चंडीगढ़ में आज 200 फुट चौड़ी एच.आर.-2 रोड और एक पार्क अनंतनाग में देश की रक्षा करते हुए अपनी जान निछावर करने वाले शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह (कीर्ति चक्र) को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे शहीद हमारा मान और सरमाया हैं और पंजाब सरकार हमेशा उनके परिवारों के साथ चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार सशस्त्र बलों के जवानों और उनके परिवारों की भलाई के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। एक्स पर पोस्ट में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं महान योद्धा शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह (कीर्ति चक्र) को शहादत दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने अनंतनाग में देश की रक्षा करते हुए शहादत का जाम पिया। इस शूरवीर के प्रति सम्मान स्वरूप आज हम मुंधोपुर चौक से टी-पॉइंट तक की सड़क का नाम 'शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह मार्ग' और सेक्टर 5-ए के पार्क का नाम 'शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह पार्क' रखा है। गांव भड़ौंजीया के इस बहादुर सपूत की अनूठी कुर्बानी हमारी युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। हमारे शहीद हमारा मान और सरमाया हैं और पंजाब सरकार हमेशा उनके परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। इंकलाब जिंदाबाद।

शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह के नाम पर सड़क और पार्क समर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शहीद को गर्मजोशी भरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, इस अवसर पर प्रदेश सरकार इस बहादुर योद्धा द्वारा देश के लिए दी गई कुर्बानी को याद करती है। इस शूरवीर ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए दुश्मन से लोहा लेते हुए महान कुर्बानी दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, उनकी याद में प्रदेश सरकार ने मुल्लांपुर चौक से टी-पॉइंट तक की 200 फुट चौड़ी सड़क का नाम 'शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह मार्ग' रखा है।

उन्होंने बताया, इसी तरह सेक्टर 5-ए ब्लॉक के पार्क का नाम उनकी याद और कुर्बानी को श्रद्धांजलि स्वरूप 'शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह पार्क' रखा गया है। पंजाब के इस बहादुर पुत्र, खास करके गांव भड़ौंजीया के सपूत के नाम पर इन सार्वजनिक स्थानों के नाम रखकर प्रदेश सरकार ने उनकी महान कुर्बानी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि यह पहल पंजाब के युवाओं को देश की निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इससे आने वाले समय में पंजाब की जवानी को देश की निःस्वार्थ सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह की बहादुरी, नेतृत्व और कुर्बानी हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

शहीद के सेवा रिकॉर्ड को याद करते हुए उन्होंने कहा, शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह 13 सितंबर 2023 को 19 राष्ट्रीय राइफल्स रेजीमेंट के कमांडिंग ऑफिसर के रूप में सेवा निभाते हुए शहीद हुए थे। कर्नल मनप्रीत सिंह ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों से मुकाबले के दौरान बेमिसाल बहादुरी का प्रदर्शन किया और देश की सेवा में अपनी जान न्यौछावर कर दी।

शहीद को मिले सम्मान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, उनकी अद्वितीय बहादुरी और अजीम कुर्बानी को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने 15 अगस्त 2024 को उन्हें मरणोपरांत देश के दूसरे सबसे बड़े शांतिकालीन बहादुरी पुरस्कार 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया था।

मुख्यमंत्री ने बताया, कर्नल मनप्रीत सिंह का जन्म 1982 में गांव भड़ौंजीया में हुआ था और उन्होंने अपनी प्रारंभिक व उच्च शिक्षा मोहाली और चंडीगढ़ से प्राप्त की थी। उन्होंने आगे बताया, अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए वे 2005 में भारतीय सेना में कमीशंड ऑफिसर के रूप में भर्ती हुए थे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, उनका बहादुरी, समर्पण और देश के प्रति निःस्वार्थ सेवा भरा जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। प्रदेश सरकार इस बहादुर सपूत की विरासत को अमर रखने के लिए प्रतिबद्ध है। शहादत देने वाले जवानों के परिवारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, देश की एकता और अखंडता की रक्षा में सशस्त्र बलों, अर्ध-सैनिक बलों, पुलिस और अग्निवीरों के बेमिसाल योगदान को सम्मान अर्पित करते हुए प्रदेश सरकार ड्यूटी के दौरान जवान की शहादत पर परिवार को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देती है।

उन्होंने कहा, यह सशस्त्र बलों, अर्ध-सैनिक बलों और पुलिस के जवानों तथा उनके परिवारों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, सरकार की यह छोटी-सी पहल एक और पीड़ित परिवार की मदद करने और दूसरी ओर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब सरकार ने प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा, प्रदेश सरकार के साझा प्रयासों से सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार देखने को मिला है। सरकारी स्कूलों के छात्रों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज प्रदेश के सरकारी स्कूलों के छात्र जे.ई.ई., नीट और अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं में धमाल मचा रहे हैं, जो हमारे लिए संतोष की बात है।

इस अवसर पर लोकसभा सदस्य मालविंदर सिंह कंग और अन्य शख्सियतें भी मौजूद थीं।

लुधियाना में गोलीबारी की बड़ी साजिश नाकाम; जवाबी कार्रवाई में डोनी बल्ल गिरोह के दो हथियारबंद हमलावर ढेर

- मारे गए हमलावरों से तीन आधुनिक ऑटोमेटिक पिस्तौल और 50 कारतूस बरामद- सीपी लुधियाना स्वपन शर्मा
- आरोपियों ने पीछा कर रही पुलिस पार्टी पर चलाईं गोलियां; दो गोलियां पुलिस वाहन पर भी लगीं

चंडीगढ़/लुधियाना, 13 सितंबर मुख्यमंत्री भगवंत मान की सोच के अनुसार राज्य में गैंगस्टर संस्कृति के खात्मे के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब और लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस की संयुक्त टीम ने आज आत्म पार्क अंडर ब्रिज के निकट हुई मुठभेड़ के दौरान डोनी बल्ल गिरोह के दो हथियारबंद सदस्यों को ढेर कर गोलीबारी की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया।

पुलिस कमिश्नर (सीपी) लुधियाना स्वपन शर्मा ने बताया कि मारे गए हमलावरों की पहचान करनजोत सिंह उर्फ नोना और संदीप सिंह के रूप में हुई है। दोनों अमृतसर के सुल्तानविंड रोड के निवासी थे। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से तीन आधुनिक ऑटोमेटिक पिस्तौल और करीब 50 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इस साजिश के संबंध में मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने आत्म पार्क के निकट अंडर ब्रिज पर विशेष नाकाबंदी की थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट वाली काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया।

उन्होंने बताया कि रुकने के बजाय हथियारबंद हमलावरों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस कर्मचारियों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस कमिश्नर ने कहा, ÷हमलावरों ने पीछा कर रही पुलिस पार्टी पर लगातार कई फायर किए और दो गोलियां सरकारी पुलिस वाहन पर भी लगीं। आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दोनों हथियारबंद हमलावरों को मौके पर ही ढेर कर दिया।÷

सीपी स्वपन शर्मा ने खुलासा किया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मारे गए हमलावर गैंगस्टर डोनी बल्ल और शगनप्रीत के सीधे संपर्क में थे। उन्हें रविवार को लुधियाना के दुगरी रोड स्थित मैरीलैंड पैलेस में आयोजित रक्तदान शिविर में गोलीबारी (मास शूटिंग) करने का काम सौंपा गया था।

मृतकों के आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर ने बताया कि करनजोत सिंह उर्फ नोना का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड था। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, डकैती और एनडीपीएस एक्ट के तहत दो पुराने आपराधिक मामले दर्ज थे। वहीं, दूसरे मृतक संदीप सिंह के खिलाफ भी एक आपराधिक मामला दर्ज था।

उन्होंने बताया कि मारे गए हमलावरों के अन्य साथियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है और उन्हें जल्द ही काबू कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस गिरोह के आपराधिक नेटवर्क और इसके आगे-पीछे जुड़े लोगों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। इस संबंध में थाना मॉडल टाउन, लुधियाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 109, 221, 132, 62 और 111 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शेर-ए-पंजाब टी-20 क्रिकेट लीग के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'हम पंजाब को देश का खेल हब बनाएंगे'

टी-20 क्रिकेट लीग ने पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बड़ा मंच प्रदान किया- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़, 13 सितंबर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां मोहाली के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग के समापन समारोह में शिरकत की और इस टूर्नामेंट को पंजाब की उभरती क्रिकेट प्रतिभा की पहचान करने, उसे निखारने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए मजबूत मंच बताया। इस प्रतियोगिता में 119 खिलाड़ियों द्वारा अपने हुनर का प्रदर्शन करने और नमन धीर तथा प्रभसिमरन सिंह के इंडिया %ए% टीम में चयन के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य को देश का खेल हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि हम खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने तथा युवाओं को खेल मैदानों से जोड़ने के लिए अपने प्रयास इसी तरह जारी रखेंगे।

इस अवसर के कुछ पलों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ÷आज मोहाली के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में %शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग% के फाइनल मैच और समापन समारोह में शिरकत की। 30 अगस्त से शुरू हुए इस टूर्नामेंट ने पंजाब के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया है। फाइनल में पहुंची दोनों टीमों लुधियाना लायंस और अमृतसर सूरमाज़ सहित भाग लेने वाली सभी टीमों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन और जुझारू जज़्बे के लिए दिल से बधाई। उन्होंने कहा कि पंजाब में खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने और हमारे युवाओं को खेल मैदानों से जोड़ने के हमारे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इंकलाब जिंदाबाद।÷

शेर-ए-पंजाब टी-20 क्रिकेट लीग के समापन अवसर पर खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पी.सी.ए.) द्वारा पहली बार आयोजित की गई है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट ने पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को एक मंच प्रदान किया है और यह खेल महाकुंभ आज पूरी शान-ओ-शौकत के साथ संपन्न हो गया है। लीग के सफल आयोजन के लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रबंधकों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷मैं इस लीग के सफल आयोजन के लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन को बधाई देता हूं और भाग लेने वाली सभी टीमों तथा आगामी सीज़न के लिए बाकी सभी टीमों को शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷दो सप्ताह चली इस लीग के दौरान पंजाब के गांवों और कस्बों के कई होनहार युवा क्रिकेटर सुर्खियों में आए। इनमें से बहुत से प्रतिभाशाली खिलाड़ी आने वाले वर्षों में पंजाब और भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अपने राज्य की लीग में पूरे उत्साह, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ भाग लेने के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷इस लीग के दौरान पंजाब के लगभग 119 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और हुनर का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷इस समय भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के कप्तान क्रमशः शुभमन गिल और हरमनप्रीत कौर, दोनों पंजाब से हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ÷पंजाब के 21 खिलाड़ी इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग के दौरान विभिन्न आईपीएल टीमों के टैलेंट स्काउट्स और चयनकर्ता भी मैच देखने पहुंचे थे। इस लीग के बाद हमें उम्मीद है कि पंजाब के कई और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को विभिन्न आईपीएल टीमों के लिए खेलने के अवसर मिलेंगे।

लीग के शुरुआती परिणामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ÷इस लीग के दौरान किए गए प्रदर्शन के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। पंजाब के नमन धीर और प्रभसिमरन सिंह का चयन %इंडिया ए% टीम के लिए हुआ है, जो यह दर्शाता है कि ऐसे मंच उभरते खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का रास्ता कैसे आसान बना सकते हैं।÷

मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि %प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% को %युवराज सिंह अवॉर्ड% से सम्मानित किया जाएगा। लीग के महत्व के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग केवल एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं है। यह पंजाब के गांवों, कस्बों और शहरों में मौजूद क्रिकेट की अपार प्रतिभा को पहचानने, निखारने और प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा, ÷जिन युवा क्रिकेटरों ने यहां अपने हुनर का लोहा मनवाया है, वे भविष्य में पंजाब और देश का नाम और भी रोशन करेंगे।आज अमृतसर सूरमाज और लुधियाना लायंस के बीच फाइनल मैच खेला जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस फाइनल में खेल रहे खिलाड़ियों से मुलाकात भी की।

हरियाणा लगातार तीसरे वर्ष रक्तदान में देश में अव्वल; 1 अक्टूबर को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

चंडीगढ़, हरियाणा लगातार तीसरे वर्ष रक्तदान के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बना है। यह उपलब्धि प्रदेश की बड़े पैमाने पर जनभागीदारी के साथ-साथ मजबूत रक्त आधान बुनियादी ढांचे, डिजिटल एकीकरण, बेहतर चिकित्सकीय सुरक्षा और मरीजों को मुफ्त जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है।

हरियाणा में 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया गया और 8,189 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। सभी जिलों में लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर की सुविधा उपलब्ध होने के साथ हरियाणा अब रक्तदान के क्षेत्र में देश का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

यह जानकारी हरियाणा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज यहां दी।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ई-रक्तकोष पोर्टल पर दर्ज सत्यापित वार्षिक रक्तदान आंकड़ों के आधार पर प्रति दस लाख आबादी पर रक्तदान के मामले में हरियाणा सभी राज्यों में प्रथम स्थान पर रहा है। भारत सरकार द्वारा हरियाणा को 1 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

पंजाब पुलिस ने गुरदासपुर में पीछा करते हुए गैंगस्टर बुरी बसंतकोटिया समेत पांच व्यक्तियों को किया गिरफ्तार; छह पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़/गुरदासपुर, 13 सितंबर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए, गुरदासपुर पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के सहयोग से सफलतापूर्वक पीछा करते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सीमा पार से चलाए जा रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से छह पिस्तौल, जिनमें एक 9 एमएम बेरेटा और एक 9 एमएम ग्लॉक शामिल है, समेत 49 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ सुख्खा निवासी अलूना, गुरदासपुर; करन कुमार निवासी भाऊपुर अफगाना, गुरदासपुर; बलराज सिंह उर्फ बुरी निवासी बसंतकोट, गुरदासपुर; अमरीक सिंह उर्फ सोनू निवासी जोड़ियां कलां, डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर और मनजिंदर सिंह उर्फ मंगू निवासी उप्पल, गुरदासपुर के रूप में हुई है। हथियार बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी महिंद्रा स्कॉर्पियो कार, जिसका पंजीकरण नंबर पीबी 06 बीपी 3908 है, को भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हथियारों और गोला-बारूद की खेप सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि इस नेटवर्क की आगे-पीछे की कड़ियों का पता लगाने और सीमा पार से चलाए जा रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर स्पेशल ब्रांच गुरदासपुर, थाना डोरांगला और थाना बहिरामपुर की पुलिस टीम ने गांव नूरपुर थेह के चौराहे पर खड़ी एक महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ी देखी, जिसमें दो व्यक्ति गाड़ी के बाहर खड़े थे और तीन व्यक्ति गाड़ी के अंदर बैठे हुए थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव कुताबढ़ पहुंचकर सैनिक सुखचैन सिंह को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अपने सिरसा दौरे के दौरान गांव कुताबढ़ पहुंचकर सैनिक सुखचैन सिंह को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र की सेवा में उनके बलिदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों का त्याग और शौर्य सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। शहीदों का बलिदान राष्ट्र कभी नहीं भूल सकता। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनिक सुखचैन सिंह के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित

चंडीगढ़, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन https://awards.gov.in/ पोर्टल पर 30 सितंबर तक कर सकते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। उन्होंने बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थान स्वैच्छिक संगठनों, कॉरपोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने देश में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या इस कार्य क्षेत्र में काम किया हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

हरियाणा स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स की स्थापना और संचालन की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रस्तावित हरियाणा स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स (ह्नश्रस्न) को लेकर सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 2 हजार करोड़ रुपये के कोष के साथ प्रस्तावित फंड को क्रियान्वित करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की गई तथा प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में लगातार हो रही प्रगति को देखते हुए स्टार्टअप्स को उनके विकास के विभिन्न चरणों में वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के लिए एक मजबूत वित्तीय तंत्र तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स की सफलता में समय पर पूंजी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण कारक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हरियाणा स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स की स्थापना और संचालन की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फंड प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, निजी पूंजी को आकर्षित करने तथा हरियाणा से उभर रहे उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने फंड को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने और इसके निर्धारित उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से हासिल करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड को लेकर भी कई पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक डॉ. यश गर्ग, सीए श्रीमती रश्मी खेतरपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में 25 सितंबर से आंगनवाड़ियों में शुरू होगा आंगन मिलन सेवा अभियान- मंत्री श्रुति चौधरी

चंडीगढ़, हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने शनिवार को सेवा संकल्प अभियान मॉड्यूल-4 के अंतर्गत 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाने वाले %आंगन मिलन सेवा% कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जानकारी दी गई कि इस अवधि के दौरान प्रदेश के सभी 25,962 कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि कार्य योजना का उद्देश्य प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को सामुदायिक संवाद, जागरूकता एवं सहभागिता के लिए एक सशक्त सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्यभर में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने, निर्धारित अवधि के भीतर सभी 25,962 कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों में 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने तथा विकेंद्रीकृत कार्यान्वयन व्यवस्था एवं प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र से नियमित प्रगति रिपोर्टिंग के माध्यम से केंद्रीय स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सभी कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों में तीन दिवसीय %आंगन मिलन सेवा% आयोजित की जाएगी। इस मौके पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी सहायिकाओं तथा आशा कार्यकर्ताओं को जनसेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए माताओं, बच्चों तथा अन्य लाभार्थियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया जाएगा। इस दौरान पोषण, स्वस्थ खान-पान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, एनीमिया की रोकथाम, बच्चों की वृद्धि निगरानी, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तथा महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान इच्छुक लाभार्थी माताओं को सरकारी सेवाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित अपने अनुभव स्वेच्छा से साझा करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा। बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए खेल, चित्रकला, रंग भरना, कहानी-कथन, कविताएं, गीत एवं लघु प्रस्तुतियों जैसी रोचक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसमें भाग लेने वाले बच्चों एवं लाभार्थियों को फल एवं मिठाइयां भी वितरित की जाएंगी। बैठक में बताया गया कि इस कार्यक्रम को प्रदेश के सभी जिलों में चार चरणों में ब्लॉकवार आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में 40 ब्लॉक, द्वितीय चरण में 40 ब्लॉक, तृतीय चरण में 36 ब्लॉक तथा चतुर्थ चरण में 32 ब्लॉक कवर किए जाएंगे।

गोहाना के विकास में नहीं रहने देंगे कोई कमी - डॉ. अरविंद शर्मा

चंडीगढ़, प्रदेश के सहकारिता, कारागार, पर्यटन विरासत एवं निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शनिवार को गोहाना क्षेत्र में 6 करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से पूरी हुई तीन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए कहा कि गोहाना के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में क्षेत्र के लिए मंजूर विकास योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। सरकार का लक्ष्य केवल परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कर जनता तक उनका लाभ पहुंचाना है। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना के विकास के लिए करीब 700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी है। इन परियोजनाओं पर अलग-अलग स्तर पर काम आगे बढ़ रहा है। वे स्वयं अधिकारियों से नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट लेते हैं, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोहाना में सड़क, जल निकासी, सिंचाई, शहरी सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। गांव और शहर दोनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने श्री राम तालाब से ड्रेन नंबर-3 तक आबादी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 355 मिलीमीटर व्यास की भूमिगत पाइपलाइन बिछाने की पूरी हो चुकी परियोजना का लोकार्पण किया। इस परियोजना से आबादी क्षेत्र की सुरक्षा के साथ जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बरसाती पानी और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं के स्थाई समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का संदेश है कि विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। हमारी जिम्मेदारी है कि गोहाना के लिए मंजूर एक-एक परियोजना को धरातल पर उतारें, गोहाना के विकास में न कोई कमी रहने दी जाएगी और न ही जनहित के कार्यों में अनावश्यक देरी होने दी जाएगी।

प्रतिमाओं में प्राकृतिक सामग्री

चार राज्यों की मिट्टी से आकार ले रहे हैं गणपति बप्पा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गणेश चतुर्थी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में गणपति बप्पा की प्रतिमाएं अंतिम रूप ले रहीं हैं। इस बार इन प्रतिमाओं की खास बात यह है कि बप्पा को आकार देने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से मिट्टी और दूसरी प्राकृतिक सामग्री दिल्ली पहुंच रही है। चार राज्यों की मिट्टी से तैयार हो रहे बप्पा इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कहीं बंगाल से लाई गई मिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है तो कहीं मध्य प्रदेश से आई लकड़ी और बांस प्रतिमा को मजबूती दे रहे हैं। चार तरह की मिट्टी, पराली और दूसरी सामग्री को मिलाकर कारीगर प्रतिमाओं को ऐसा रूप दे रहे हैं कि तैयार होने के बाद भगवान गणेश का स्वरूप जीवंत नजर आता है। सागरपुर, मधु विहार, अर्जुन गढ़, सरोजिनी नगर, मुनिरका, भीकाजी कामा प्लेस, अर्जुन पार्क, कालकाजी और द्वारका समेत कई

इलाकों में गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रहीं हैं। इन जगहों पर करीब 100 कारीगर काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या महिला कारीगरों की है। कारीगरों के मुताबिक, प्रतिमा तैयार करने का काम गणेश चतुर्थी से करीब दो से तीन महीने पहले शुरू हो जाता है। सबसे पहले अलग-अलग तरह की मिट्टी को तैयार किया जाता है। इसके बाद पराली और दूसरी सामग्री की मदद से प्रतिमा का ढांचा बनाया जाता है। मिट्टी की परत चढ़ाकर उसे आकार दिया जाता है। सूखने के बाद प्रतिमा के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ा जाता है। गणपति की मांग मुख्य रूप से पूजा पंडालों के लिए है, जबकि छोटे आकार की प्रतिमाएं घरों में स्थापना के लिए खरीदी जा रही हैं।

बंगाल की काली मिट्टी से बन रहे बप्पा

गणेश प्रतिमाओं के लिए पश्चिम बंगाल से लाई जाने वाली मिट्टी की मांग ज्यादा है। कलाकारों के अनुसार, बंगाल की मिट्टी से प्रतिमा के चेहरे और शरीर की बारीक आकृतियों को उभारने में मदद मिलती है। वहीं, मध्य प्रदेश से लकड़ी और बांस समेत दूसरी सामग्री मंगाई जाती है। खंडवा और खरगोन जैसे इलाकों से आने वाली सामग्री का इस्तेमाल प्रतिमा के ढांचे को तैयार करने में किया जाता है। राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर तैयार हो रही प्रतिमाओं में छोटी मूर्तियों से लेकर 10 फुट से ज्यादा ऊंची प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र की पत्नी का निधन, नोएडा के अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का निधन हो गया है। इसकी जानकारी खुद कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए दी। मिली जानकारी के अनुसार वह फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं। नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल में शनिवार देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। कलराज मिश्र की पत्नी के देहांत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप-राज्यपाल नियुक्त किए गए दिनेश शर्मा समेत तमाम राजनीति और सामाजिक हस्तियों ने शोक जताया है। अपनी पत्नी के निधन की जानकारी देते हुए कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर उनकी एक तस्वीर भी साझा की। कलराज मिश्र ने लिखा- 'मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गईं हैं, प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। ? शांति।' इस पोस्ट के सामने आने के बाद भाजपा और कलराज मिश्र के परिवार से जुड़े लोगों, उनके शुभचिंतकों और समर्थकों में शोक की लहर है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में शी चिनफिंग के भारत दौरे के खिलाफ तिब्बती संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच शनिवार रात तिब्बती यूथ कांग्रेस और स्टूडेंट्स फॉर ए फ्री तिब्बत के कार्यकर्ताओं ने इंडिया हैबिटेट सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर लेकर चीन की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। एक बैनर पर लिखा था, 'शी चिनफिंग- नरसंहार। ' वहीं, प्रदर्शन के दौरान मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और करीब 50 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के बाद सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई।

एअर इंडिया के पूर्व पायलट वसंत कुंज के एक होटल में मृत पाए गए, केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया के पूर्व पायलट दिल्ली के वसंत कुंज उत्तर क्षेत्र में स्थित द ग्रैंड होटल के एक कमरे में बेहोश पाए गए। जानकारी के मुताबिक उन्होंने 10 सितंबर को होटल में चेक-इन किया था। साउथ वेस्ट पुलिस अधिकारियों के अनुसार 11 सितंबर की शाम को उनके भाई ने होटल मैनेजर को सूचना दी कि वे फोन का जवाब नहीं दे रहे हैं। मैनेजर कमरे तक गए तो दरवाजा अंदर से बंद पाया। मास्टर चाबी से कमरा खोला गया और अंदर कप्तान बेहोश पाए गए। पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच के लिए एक क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। 12 सितंबर को सफदरजंग अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल राय के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। वसंत कुंज उत्तर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 194 के तहत जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। आगे की जांच जारी है

दिल्ली-एनसीआर में अब कुछ दिन बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शनिवार को आसमान में बादल छाए रहे और शहर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम

विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 16 सितंबर तक बारिश का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि वर्तमान में चल रहा यह दौर इस मानसून सीजन की आखिरी बड़ी बारिश हो सकती है। मानसून की विदाई में होगी देरी मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई थोड़ी देरी से होने की संभावना है। दिल्ली से 21 सितंबर के बाद मानसून की वापसी शुरू होने की उम्मीद है।

तापमान और बारिश के आंकड़े

शनिवार को दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली, लेकिन अधिकांश मौसम केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक ही बना रहा। शनिवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच सफदरजंग वेधशाला में 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लोधी रोड और आयानगर में 0.5 मिमी बारिश हुई, जबकि पालम में केवल बूंदाबांदी दर्ज की गई। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक) और न्यूनतम 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा। लगातार हो रही बारिश और मौसम में बदलाव के चलते दिल्ली की हवा साफ बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 62 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

ठेका देने पर उठे सवाल

एमसीडी के टोल नाके बने सिरदर्द, दिल्ली में प्रदूषण और जाम बढ़ने से घट रहा राजस्व

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एमसीडी के टोल नाके एक तरफ प्रदूषण का कारण बन रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर इनसे मिलने वाला राजस्व भी घट गया है। जी हां, टोल से आने वाले राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रोत बताने वाली एमसीडी का इससे राजस्व घटा है, वहीं इसके वसूलने से होने वाली परेशानी के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बताया गया कि आए दिन प्रमुख टोल नाकों पर व्यावसायिक वाहनों से वसूले जाने वाले ईसीसी (पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क) और एमसीडी टोल के कारण जाम लगता है। जिससे प्रदूषण बढ़ता है।

वहीं, बावजूद इसके दिल्ली के नौ टोल नाके (टिकरी बॉर्डर, केजीटी-सिंघु बॉर्डर, कापसहेड़ा

बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, अप्सरा-शाहदरा बॉर्डर, न्यू मंडौली बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर और रजोकरी बॉर्डर) ऐसे हैं जहां पर विशेषकर व्यावसायिक वाहनों से एमसीडी द्वारा टोल वसूली के कारण जाम लगा रहता है।

950 करोड़ सालाना ही पहुंचा

गौरतलब है कि दिल्ली में एमसीडी के 156 टोल नाके हैं, जिनसे एमसीडी को मिलने वाला राजस्व जहां 1800-2000 करोड़ पहुंचना चाहिए था और वह 950 करोड़ सालाना ही पहुंच पाया है। दरअसल, वर्ष 2017 में एमसीडी ने 1206 करोड़ रुपये के सालाना अनुबंध पर इनका ठेका एमईपी नाम की कंपनी को दिया था। शुरुआत में कुछ समय तक तो कंपनी को राजस्व आया, लेकिन कोरोना में लगे लाकडाउन में राजस्व में छूट व अन्य कारणों से भुगतान का मामला फंस गया।

एमसीडी और कंपनी के बीच विवाद बढ़ा तो एमसीडी ने 2021 में सहकार ग्लोबल नाम की कंपनी को शुरुआत में तीन वर्षों के लिए यह काम दे दिया।

वाहनों का प्रवेश अनिवार्य

यह हालत तब है जब टोल नाकों से जाम खत्म करने के लिए एमसीडी ने 100 करोड़ से अधिक खर्च कर यहां पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग आधारित वाहनों का प्रवेश अनिवार्य कर दिया था। लेकिन उस दौरान इसे मात्र 786 करोड़ के ही सालाना राजस्व पर काम दिया था। यानी 2017 के मूल ठेके से करीब 450 करोड़ कम। टोल कंपनी के तीन वर्ष 2023 में पूरे हो गए थे, लेकिन एमसीडी की स्थायी समिति का गठन न होने का बहाना लेकर एमसीडी ने इसका एक-एक साल के लिए तीन बार विस्तार किया। अब भी नया ठेका इसी कंपनी को एमसीडी ने दिया है, लेकिन वह भी 950 करोड़ का ही है, जो कि 2017 के मूल ठेके से 250 करोड़ के करीब कम है।

दिल्ली के गांधी नगर में युवक की छत से गिरकर मौत, गली में बिना कपड़ों के मिली लाश

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर इलाके में रविवार तड़के बिहार के रहने वाले 30 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में एक इमारत की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस को उसका शव गली में निर्वस्त्र हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह हत्या है या फिर आत्महत्या अभी यह पता नहीं चल सका है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह 5:20 बजे सूचना मिली कि गांधी नगर थाना अंतर्गत आने वाली नामदेव गली में एक व्यक्ति बिना कपड़ों के सड़क पर पड़ा है और उसके सिर से खून बह रहा है। गांधी नगर थाने से पुलिस की एक टीम, क्राइम और फोरेंसिक टीमों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में मृतक व्यक्ति की पहचान बिहार में किशनगंज जिले के पिपला के रहने वाले दीपक के तौर पर हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दीपक खुद छत से गिरा या उसे किसी ने धक्का दिया। उन्होंने कहा कि दीपक की मौत की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल सकता है। वहीं, दिल्ली के भलस्वा डेयरी में चोरी के शक में 18 साल के युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो ट्रक ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। भलस्वा डेयरी थाने में बीएनएस की धारा 105 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपी ट्रक ड्राइवरों मुंतियाज और नईम को गिरफ्तार किया। 12 सितंबर को पोस्टमॉर्टम किया गया। बाकी दो और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीमें दूसरी जगहों पर भेजी गई हैं। इस मामले की जांच जारी है।

डीटीटसी बस सर्विस को हाईटेक करेगा एआई; रूट, रखरखाव और ड्राइवर-कंडक्टर की ड्यूटी और पैसेंजर्स पर रखेंगे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को अधिक आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस सेवा, रूट मैनेजमेंट और रखरखाव की निगरानी के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग तकनीक की मदद ली जाएगी। मौजूदा सिस्टम का होगा जीर्णोद्धार डीटीसी अपने मौजूदा बस मैनेजमेंट सिस्टम को

अपग्रेड कर पूरी तरह से एआई आधारित नया सॉफ्टवेयर तैयार करने की योजना बना रहा है। इसके लिए विशेषज्ञ कंपनियों से प्रस्ताव (आरएफपी) मांगे गए हैं। चयनित कंपनी पहले वर्तमान बस संचालन व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन करेगी, जिसके बाद इलेक्ट्रिक, सीएनजी व अन्य बसों के प्रबंधन के लिए नया डिजिटल ढांचा तैयार किया जाएगा। वर्तमान में डीटीसी के बेड़े में 6,500 से अधिक बसें शामिल हैं, जिनका संचालन शहर के 52 डिपो से किया जाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2028-29 तक बसों की संख्या को बढ़ाकर 14,000 करने और डिपो की संख्या 90 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। बसों के इस बढ़ते बेड़े को नियंत्रित करने के लिए एआई आधारित मॉनिटरिंग बेहद अहम साबित होगी। प्रस्तावित नए एआई सॉफ्टवेयर को इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) और किराया वसूली व्यवस्था से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे डिपो, बस, चालक और परिचालक के अनुसार ईटीएम की मैपिंग होगी।

दिल्ली के गोदाम में लगी आग

आसपास के मकानों में भरा धुआं; बच्चों के साथ खिड़की से कूदे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली क स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित गली नंबर-2 में रविवार सुबह इमारत की पहली मंजिल पर बने बॉक्सिंग किट गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त गोदाम में मौजूद कर्मचारी निकलने में सफल हो गए। लेकिन पड़ोस की इमारत में धुआं भरने से घबराए 6 लोगों ने खिड़की से छलांग लगा दी। घायलों बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चश्मदीदों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि उसका काला धुआं आसपास के मकानों में भर गया। धुएं के कारण लोगों का दम घुटने लगा। स्थिति बिगड़ती देख कुछ निवासियों ने अपने मासूम बच्चों के साथ मकान के पीछे की खिड़कियों से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस भागदौड़ में कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया और खुद राहत और बचाव कार्य में जुट गए। वहीं, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। निवासियों का कहना है कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके के बीच अवैध रूप से कमर्शियल गोदाम का संचालन किया जा रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फैक्ट्री के बगल वाली इमारत में लोगों के बीच घबराहट फैल गई, जिससे महिलाओं और बच्चों समेत छह लोग इमारत से कूद गए और घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और वे खतरे से बाहर हैं। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उन्हें सुबह 11:05 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने बताया कि तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया गया और अब दमकल गाड़ियों ने आग पूरी तरह बुझा दी है। आग लगने की वजह और नुकसान के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस घटना में घायल हुए लोगों की पहचान और अन्य विवरणों की भी पुष्टि कर रही है।

अल-फलाह विश्वविद्यालय परिसर में विस्फोटक परीक्षण करते थे सफेदपोश आतंकी

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला के बाहर 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की है। एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, अल-फलाह विश्वविद्यालय को देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बनाने की साजिश रची जा रही थी। इस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों समेत कई अन्य लोग शामिल थे। आरोप पत्र के अनुसार, आतंकी डॉक्टर उमर उन नबी, डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनी और डॉक्टर अदील अहमद राथर ने पहले खेतों में उर्वरक आधारित विस्फोटक मिश्रणों का प्रयोग किया। बाद में उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के एक ट्यूबवेल के पास नाइट्रोग्लिसरीन का परीक्षण किया, जिसमें जासिर बिलाल वानी नाम के छात्र ने मदद की। इसके बाद आतंकियों ने धौज, उमरगांव और फरीदाबाद की अरावली पहाड़ियों के सुनसान जंगलों में अधिक घातक विस्फोटक टीएटीपी (ट्राई-एसीटोन ट्राई-पैराक्साइड) और हथियारों का परीक्षण किया। धौज में टीएटीपी परीक्षण में प्रयुक्त पाइप के अवशेष बाद में डॉक्टर गनी के आवास से बरामद किए गए। पुलिस और आम लोगों की नजरों से बचने के लिए आतंकियों ने खोरी जमालपुर और धौज में किराए पर मकान लिए थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 2.10 करोड़ से अधिक मामले, चेक बाउंस से वैवाहिक विवादों तक बनी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर की अदालतों और ट्रिब्यूनल में मुकदमेबाजी के स्थान पर बातचीत और समझौते का माहौल रहा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की। इसमें आपसी सहमति से 2.10 करोड़ से ज्यादा मामले सुलझाए गए। नालसा के बयान के अनुसार, 26 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में लोक अदालत की बेंच बनाई गई। इनमें हाई कोर्ट से लेकर तालुका कोर्ट स्तर पर न्यायिक अधिकारी, वकील, पैरा-लीगल वालंटियर और मुकदमा करने वाले शामिल हुए। शनिवार शाम सात बजे तक के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार (कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली को छोड़कर और कुछ अन्य क्षेत्रों से डेटा आना बाकी है), 2,10,39,112 मामले सुलझाए गए। बयान में कहा गया है कि इनमें से 1,90,75,743 मामले प्री-लिटिगेशन (मुकदमे से पहले के) थे, जिन्हें सीधे लोक अदालत के सामने लाया गया था, जबकि 19,63,369 मामले पहले से ही अदालतों में लंबित थे। कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली में यह आयोजन 19 सितंबर, 10 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को होना है। मुख्य न्यायाधीश और नालसा के संरक्षक जस्टिस सूर्य कांत ने लोक अदालत से पहले अपने एक संदेश में कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए लोग इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करें। नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि यह तरीका अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने में मदद करता है। साथ ही यह दोनों पक्षों को ऐसे नतीजे तक पहुंचने का मौका देता है जो दोनों को मंजूर हो। इससे उन्हें लंबे मुकदमों के खर्च और देरी से बचाया जा सकता है। जिन विवादों को सुलझाया गया, उनमें चेक बाउंस के मामले, मोटर दुर्घटना के दावे, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, उपभोक्ता शिकायतें, जमीन अधिग्रहण के मामले, उत्तराधिकार से जुड़े विवाद, छोटे कारोबार से जुड़े मध्यस्थता के दावे, समझौता योग्य आपराधिक मामले और ट्रैफिक चालान शामिल थे।

वेलेंटाइन डे के मैसेज से खुला राज तो रची साजिश, फिर गर्लफ्रेंड संग मिल पत्नी को मार डाला; मुंबई से मोहम्मद अरेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में शाहबाद डेरी के प्रहलादपुर बांगर में सबीला खातून की हत्या के मामले में पुलिस ने साजिश की परतें खोलते हुए उसके पति मोहम्मद लाल बाबू उर्फ जाहिद अली और उसकी प्रेमिका रुखसार खातून को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद दोनों को भगाने में मदद करने वाले लाल बाबू के ममेरे भाई मोहम्मद सामा को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि महिला की मौत स्लैब पर बार-बार सिर टकराने व गला घोंटने से हुई है। पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि 29 अगस्त को शाहबाद डेरी थाना पुलिस को प्रहलादपुर गांव में सबीला की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घर के बाथरूम में सबीला खातून का शव मिला था। मृतका के भाई गुलाब ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन की हत्या उसके पति लाल बाबू ने की है और वारदात के बाद वह अपने एक साल के बेटे को लेकर फरार हो गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि लाल बाबू का रुखसार खातून से प्रेम संबंध था। वह उससे शादी करना चाहता था। इस बात का पता सबीला को वेलेंटाइन डे पर आए संदेश से चला। इसको लेकर उसका पत्नी सबीला से अक्सर विवाद होता था।

इसी विवाद के चलते लाल बाबू ने रुखसार के साथ मिलकर पत्नी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। मौका पाकर दोनों ने बाथरूम में स्लैब पर सबीला का सिर टकरा कर व गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी और वारदात के बाद लाल बाबू अपने बेटे को लेकर फरार हो गया था। पुलिस को मोबाइल सर्विलांस से पता चला कि आरोपी नोएडा पहुंचा था। वहां उसने अपने ममेरे भाई मोहम्मद ओसामा से संपर्क किया। ओसामा ने लाल बाबू को छिपने में मदद की और गिरफ्तारी से बचने के लिए उसे बिहार भागने का इंतजाम कराया। पुलिस ने पहले ओसामा को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने मुंबई से दिल्ली लौटे लाल बाबू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पूछताछ में लाल बाबू ने बताया कि वह रुखसार से शादी करना चाहता था और इसी वजह से उसने पत्नी की हत्या की साजिश रची थी।

संपादकीय

भारत के एजेंडे में वैश्विक दक्षिण, व्यापार और शांति, मोदी की कूटनीति पर दुनिया की नजर

ब्रिक्स 2026 में भारत आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज और शांति के मुद्दों को प्रमुखता देगा। मोदी-पुतिन और मोदी-शी जिनपिंग की बैठक से वैश्विक कूटनीति और भारत-चीन संबंधों पर नजर रहेगी। देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है।भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है।भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है।इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहराया कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

(योगेश कुमार गोयल)

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी?

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है,

मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढ़र्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो?

समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है।

अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी।

पाकिस्तान की तबियत बिगड़ी ! ब्रिक्स में मोदी का शक्ति प्रदर्शन देख इस्लामाबाद में जबरदस्त खलबली

(नीरज कुमार दुबे)

इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं।

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्सशिखर सम्मेलन की गूंज वैसे तो पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है लेकिन पाकिस्तान के सत्ता और रक्षा प्रतिष्ठान में इसे लेकर जबरदस्त सन्नाटा छाया हुआ है। सन्नाटा इसलिए है क्योंकि शहबाज शरीफ से लेकर असीम मुनीर तक, आसिफ अली जरदारी से लेकर ख्वाजा आसिफ तक और इशाक डार से लेकर पाकिस्तान के अन्य बड़बोले नेताओं तक की नजरें टीवी चैनलों पर लगी हुई हैं और जैसे जैसे वैश्विक नेता एक एक कर दिल्ली की धरती पर उतर रहे हैं वैसे वैसे पाकिस्तान हुक्मरानों का गला सूखता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भी बाकायदा चीन-भारत बढ़ती नजदीकी पर सवाल पूछा गया, जिस पर उसने कहा कि चीन के साथ उसकी आल वेदर साझेदारी किसी तीसरे देश के साथ चीन के संबंधों से प्रभावित नहीं होगी। लेकिन यही स्पष्टीकरण बताता है कि सवाल कितना महत्वपूर्ण हो चुका है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका मोदी-शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। सात साल बाद शी जिनपिंग का भारत आना अपने आप में बड़ा संकेत है। सीमा विवाद के बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे संवाद बहाल किया है और अब व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन तथा रणनीतिक संवाद पर आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसकी सुरक्षा रणनीति लंबे समय से इस धारणा पर टिकी रही है कि भारत को दो मोर्चों पर एक साथ दबाव में रखा जा सकता है। लेकिन अगर बीजिंग और नई दिल्ली टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व की ओर बढ़ते हैं, तो इस्लामाबाद का वह रणनीतिक गणित कमजोर पड़ सकता है। साथ ही पाकिस्तान इसलिए भी परेशान है कि यदि भारत और चीन के संबंध सुधरे तो भविष्य के भारत-पाक संघर्ष में बिना बीजिंग के सहयोग के इस्लामाबाद के लिए मैदान में कुछ घंटे टिक पाना भी मुश्किल हो जायेगा। दूसरा मोर्चा मोदी-पुतिन समीकरण है। दोनों नेताओं की बैठक में स-400 की अंतिम यूनिट की डिलीवरी और अगली पीढ़ी के बारहमास पर चर्चा हो रही है। भारत को चार एस-400 रेजिमेंट मिल चुकी हैं और पांचवीं की डिलीवरी पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत की वायु-रक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता में रूसी सहयोग उसकी सैन्य गणना को और कठिन बनाता है। आने वाले समय में बारहमास के उन्नत संस्करण और संयुक्त उत्पादन पर बातचीत इस तस्वीर को और गंभीर बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान रूस की एस-400 ने पाकिस्तान के लगभग सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया था। उस समय पाकिस्तान ने चीन और तुर्की से रक्षा उपकरण लेकर भारत पर निशाने साधे थे लेकिन एस-400 के आगे कोई नहीं टिक पाया था। ऐसे में पाकिस्तान की नजरें इस बात पर बनी हुई हैं कि भारत और रूस के बीच क्या नये रक्षा समझौते होने जा रहे हैं।

पाकिस्तान की तीसरी चिंता सऊदी अरब और चौथी ईरान को लेकर है। ब्रिक्स की मेज पर सऊदी अरब और ईरान दोनों हैं, जबकि पश्चिम एशिया अब भी संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान के लिए यह बेहद असहज परिस्थिति है क्योंकि एक तरफ वह सऊदी अरब के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को महत्वपूर्ण मानता है, दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों के साथ रिश्ते लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भारत पहुंचे हैं और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता भी हो रही है। पाकिस्तान की चिंता यहां यह है कि सऊदी अरब के साथ वह हाल ही में मक्का पैक्ट में शामिल हुआ है। ऐसे में यदि भारत और सऊदी अरब के संबंध और मजबूत होते हैं तो मक्का पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकल जायेगी। साथ ही ईरानी राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत के बाद यदि पश्चिम एशिया के हालात में सुधार होता है तो पाकिस्तान की उस पूरी कूटनीतिक कवायद पर पानी फिर जायेगा जिसके तहत कभी अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद बुलाकर वार्ता कराई गयी तो कभी शहबाज शरीफ और असीम मुनीर भागे भागे तेहरान और वाशिंगटन के चक्कर लगाते रहे।

मायावती ने आकाश को क्यों दिखाई 'जमीन'?

उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

(नीरज कुमार दुबे)

बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं?

बहुजन समाज पार्टी की सियासत में एक बार फिर ऐसा उलटफेर हुआ है, जिसने पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में भी हलचल तेज कर दी है। जिस कवायद को आकाश आनंद के सियासी भविष्य की राह साफ करने की कोशिश माना जा रहा था, वही कुछ घंटों में उनके बहुजन समाज पार्टी से पूरी तरह बाहर होने की पटकथा बन गई। हम आपको बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से 'पूरी तरह आजाद' कर दिया है।

खास बात यह है कि मायावती ने यह फैसला आकाश के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास की घोषणा के तत्काल बाद लिया। यानी जिस शर्त को आकाश की वापसी और राजनीतिक सक्रियता के रास्ते की आखिरी बाधा माना जा रहा था, वह शर्त पूरी हुई, लेकिन नतीजा उम्मीद के ठीक उलट निकला। अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह भावुक संदेश के जरिए राजनीति से संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने साफ कहा कि मायावती का आदेश उनके लिए पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों से ऊपर है। उन्होंने यह भी कहा कि आकाश ने करीब दो दशक मायावती की देखरेख और मार्गदर्शन में बिताए हैं और उनके भीतर मायावती का 'खून' बहता है। सिद्धार्थ ने खुद पर आकाश को प्रभावित या गुमराह करने के आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ता की इतनी हैसियत ही कहां कि वह आकाश को गुमराह कर सके।

लेकिन बसपा सुप्रीमो के तेवर इससे नरम नहीं हुए। मायावती ने अपने दस सूत्रीय संदेश में साफ कर दिया कि मामला केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी का नहीं है, बल्कि निष्ठा, परिवार और राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

यहीं से बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं? मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के राजनीति छोड़ने के फैसले को सही कदम बताया, लेकिन साथ ही यह भी कह दिया कि फैसला देर से लिया गया। उनका आरोप था कि अगर सिद्धार्थ को अपने दामाद के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की सचमुच चिंता होती तो वह उसी वक्त राजनीति छोड़ने की घोषणा कर देते। देरी को मायावती ने सिद्धार्थ की महत्वाकांक्षा और नीयत पर सवाल उठाने का आधार बनाया।

दरअसल, आकाश आनंद पिछले कुछ वर्षों में बसपा की अगली पीढ़ी के चेहरे के तौर पर तेजी से उभरे थे। मायावती ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी थी। लेकिन आकाश की राजनीतिक भूमिका बार-बार बदलती रही। तीन सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाया गया और अब पार्टी से ही 'आजाद' कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की आहट तेज हो चुकी है। बसपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि मायावती के बाद पार्टी का चेहरा कौन होगा और संगठन को नई पीढ़ी तक कैसे पहुंचाया जाएगा। आकाश आनंद को इसी संक्रमण का संभावित चेहरा माना जा रहा था। अब उनके बाहर होने से बसपा की उत्तराधिकार की पूरी रणनीति फिर सवालों के घेरे में है।

इस बीच मायावती के छोटे भाई के बेटे ईशान आनंद की हाल के महीनों में उनके साथ बढ़ती मौजूदगी भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे बसपा में अगली पीढ़ी की कमान को लेकर अटकलें और तेज हो सकती हैं।

देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती का यह फैसला महज एक पारिवारिक विवाद नहीं माना जाएगा। 2027 में मुकाबला बहुकोणीय होने की स्थिति में बसपा का हर फैसला उसके वोट बैंक, संगठन और सोशल इंजीनियरिंग पर असर डालेगा। आकाश जैसे युवा चेहरे की विदाई से पार्टी को जहां नई पीढ़ी से जुड़ने में चुनौती मिल सकती है, वहीं मायावती के सामने अब यह साबित करने की चुनौती होगी कि बसपा किसी एक उत्तराधिकारी के भरोसे नहीं, बल्कि उनके अपने राजनीतिक नियंत्रण और संगठनात्मक ढांचे पर खड़ी है।

फिलहाल संदेश साफ है कि ससुर ने राजनीति छोड़ी, लेकिन दामाद की कुर्सी नहीं बची। और मायावती की बसपा में रिश्ते नहीं, राजनीतिक निष्ठा अंतिम कसौटी है। 2027 के रण में इस फैसले की असली कीमत और असर तब सामने आएगा, जब हाथी मैदान में उतरेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

सुलभ शौचालय बना गंदगी का अड्डा, दुकानदार बोले- कहां जाएं

देहरादून, एजेंसी। सहसपुर मुख्य बाजार में लाखों रुपये की लागत से वर्ष 2012 में बनाया गया सुलभ शौचालय इन दिनों बदहाली का शिकार है। शौचालय के अंदर और बाहर गंदगी फैली होने के कारण दुकानदारों और बाजार में आने वाले ग्राहकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थिति यह है कि लोग इसका इस्तेमाल करने से बच रहे हैं। सहसपुर मुख्य बाजार आसपास की दो दर्जन से अधिक पंचायतों के ग्रामीणों के लिए प्रमुख खरीदारी केंद्र है। रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण बाजार पहुंचते हैं। ऐसे में बाजार में एकमात्र सुलभ शौचालय होने के बावजूद इसकी नियमित सफाई और रखरखाव नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। शौचालय के आसपास भी कूड़ा और गंदगी फैली रहती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि पहले शौचालय का नियमित उपयोग होता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से रखरखाव की स्थिति खराब होने के कारण लोग यहां जाने से कतराते हैं। दुकानदारों को लघुशंका आदि के लिए निजी संसाधनों या अन्य स्थानों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे बाजार में असुविधा के साथ स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

यमुना-टोंस के कटाव से डूब रही किसानों की भूमि

देहरादून, एजेंसी। जौनसार-बावर में यमुना और टोंस नदी के तेज बहाव से कृषि भूमि का लगातार कटाव किसानों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। बरसात में जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे की उपजाऊ जमीन का कटाव होने और फसलों को नुकसान पहुंचने की समस्या को देखते हुए भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की विशेष आमंत्रित सदस्य बचना शर्मा लाखामंडल ने कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में बताया कि लाखामंडल, सेरा, धौरा, पुड़िया, पंणखेत, चायामा, गाता, कुन्ना, मिऊंडा, कांन्डोई, मौठी, छुल्टाड, गोठाड़, कांडी, मुनोग, लावड़ी, दधरोटा, नाडा, गंधसार, राडकोटी और मिगाड़ समेत कई गांव नदी किनारे बसे हैं। बरसात के दौरान तेज बहाव से हर साल कृषि भूमि का कटाव होता है। सुरक्षा दीवार और तटबंध नहीं होने के कारण किसानों की उपजाऊ जमीन नदी में समा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बचना शर्मा ने संवेदनशील स्थानों का सर्वे कर प्राथमिकता के आधार पर मजबूत तटबंध, बाढ़ सुरक्षा दीवार, रिटेनिंग वॉल और चेकडैम निर्माण की मांग की। ताकि किसानों की आजीविका सुरक्षित रहे। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मांगपत्र सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता को भेजकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस दौरान ओम प्रकाश, दीवान सिंह, सुरेश शर्मा, नरेश बहुगुणा आर्य संतराम शर्मा, मीरा बहुगुणा, पीरू और घनश्याम आदि मौजूद रहे।

डाकपत्थर कॉलेज में तालाबंदी पर हंगामा, भिड़े छात्र गुट, पुलिस ने संभाला मोर्चा

देहरादून, एजेंसी। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (डाकपत्थर) में शनिवार को छात्र राजनीति पूरी तरह उफान पर रही। अपनी लंबित मांगों को लेकर एबीवीपी छात्रसंघ पदाधिकारियों ने मुख्य भवन के मेन गेट पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। अचानक हुई इस तालाबंदी से कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हुईं और शिक्षक व आम छात्र-छात्राएं बाहर ही फंसे रहे। तालाबंदी का एनएसयूआई और आर्यन छात्र संगठन ने विरोध किया, जिससे कैंपस में भारी हंगामा खड़ा हो गया। दोनों गुटों के बीच जमकर नारेबाजी और तीखी नोकझोंक हुई। इसी बीच, विरोध कर रहे छात्रों ने वैकल्पिक गेट का ताला तोड़ दिया और जबरन कॉलेज परिसर में प्रवेश कर गए। टकराव और हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस, प्राचार्य और शिक्षकों ने काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित छात्रों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रण में किया। एबीवीपी छात्रसंघ अध्यक्ष तुषार कपूर ने कॉलेज प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि ताला तोड़कर अंदर घुसने वालों में कई बाहरी तत्व भी शामिल हैं। छात्रसंघ ने मांगें पूरी होने तकअनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

विद्यालय के समायोजन के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

देहरादून, एजेंसी। विकासखंड कालसी के जूनियर हाईस्कूल बेसोगीलानी के राजकीय इंटर कॉलेज में समायोजन किए जाने के फैसले के विरोध में शनिवार को क्षेत्रवासियों ने विद्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य खतार राकेश तोमर उत्तराखंडी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रधानाचार्य को ज्ञापन सौंपकर विद्यालय का समायोजन रोकने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि विद्यालय बंद करने की कार्रवाई की गई तो क्षेत्रवासी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन में कहा गया कि जूनियर हाईस्कूल का राजकीय इंटर कॉलेज में समायोजन जनजातीय क्षेत्र के छात्रों के हित में नहीं है। विद्यालय में वर्तमान में 16 छात्र अध्ययनरत हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय बंद होने से छात्रों को पढ़ाई के लिए दूर जाना पड़ेगा। एक बार विद्यालय बंद होने के बाद दोबारा संचालन शुरू होना भी मुश्किल होगा। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय पूर्व से ही कक्षा आठ तक संचालित होता रहा है। इसके भवन के निर्माण में क्षेत्रवासियों ने चंदा एकत्र कर सहयोग किया था। प्रदर्शन में महावीर सिंह, गजेंद्र, शिवदास वर्मा, विक्रम सिंह, हाकम सिंह, धनु, अजब सिंह, सोहनलाल, कलम सिंह तोमर, पूरन सिंह, जनक सिंह, आशा देवी, संतराम और सुरेश आदि मौजूद रहे।

2027 चुनाव में बनेंगे बीजेपी के हथियार

ईडी-आईटी के निशाने पर हरीश रावत के करीबी, क्या कांग्रेस के लिए बन रहे मुसीबत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एक बार फिर सुर्खियों के केंद्र में हैं. इस बार मामला उनके किसी बयान या संगठनात्मक गतिविधि से नहीं, बल्कि उनके करीबी रहे चंदन सिंह जीना के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई से जुड़ा है. चंदन सिंह जीना पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के ओएसडी भी रहे हैं. साथ ही उनके पीए भी है. इसीलिए मामला ज्यादा राजनीतिक हो गया. दरअसल, दस सितंबर को वर्ष 2016 की यूकेएसएससी (उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग) के वीपीडीओ परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी ली. एजेंसी के मुताबिक चंदन सिंह जीना के वर्तमान आवास से करीब 32 लाख रुपये की अघोषित नकदी, 200.5 ग्राम सोना और 12 लग्जरी घड़ियां बरामद की गईं. बैंक खातों में मिली रकम को भी जांच के दायरे में लिया गया है. इस बरामदगी के बाद मामला केवल जांच एजेंसी की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तराखंड की राजनीति में इसके संभावित असर को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है. हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं है, जब हरीश रावत के करीबी के घर किसी एजेंसी ने छापेमारी की हो. इसे पहले भी हरीश रावत के करीब रहे राजीव जैन के यहा एजेंसियों का शिकंजा कस चुका है.

रावत के कार्यकाल से जुड़ा नाम लेकिन पूर्व ष्टरूपर कोई आरोप नहीं: चंदन सिंह जीना का नाम इस पूरे घटनाक्रम में इसलिए ज्यादा राजनीतिक हो गया है. क्योंकि वह वर्ष 2014 से 2017 के बीच हरीश रावत के मुख्यमंत्री रहते ओएसडी के तौर पर तैनात रहे थे और बाद में उनके करीबी सहयोगी के रूप में भी जुड़े रहे. हालांकि यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि ईडी जानकारी के मुताबिक हरीश रावत को इस मामले में आरोपी नहीं बताया गया है. इसलिए जीना के खिलाफ चल रही जांच को सीधे हरीश रावत के खिलाफ कार्रवाई बताना अभी जल्दबाजी होगी. फिलहाल एजेंसी का फोकस वर्ष 2016 की परीक्षा में कथित गड़बड़ी ओएमआर शीट से छेड़छाड़ और उससे जुड़े संभावित वित्तीय लेनदेन की पड़ताल पर है.

बड़े विवादों में रही ये परीक्षा: ईडी की जांच उस परीक्षा से जुड़ी है, जिसको लेकर पहले भी उत्तराखंड में बड़ा विवाद सामने आया था. जांच एजेंसी के अनुसार परीक्षा की हस्क्रशीट की सुरक्षित अभिरक्षा को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं. आरोपों की जांच इस दिशा में की जा रही है कि कुछ ऐसी ओएमआर शीट जिनमें उत्तर नहीं भरे गए थे, कथित तौर पर निजी स्तर पर पहुंचीं और उनमें बाद में उत्तर भरे जाने के बाद उन्हें दोबारा सील किया गया. एजेंसी इस प्रक्रिया के पीछे हुए लेनदेन और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है. इसी कड़ी में चंदन सिंह जीना के घर मिले 32 लाख कैश, सोने और अन्य संपत्तियों के स्रोत को भी जांचा जा रहा है.

दो साल में रावत के करीबियों पर दूसरी बड़ी कार्रवाई ने बढ़ाई चर्चा: हरीश रावत से जुड़े लोगों के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाई की चर्चा नई नहीं है. इससे पहले दिसंबर 2024 में कांग्रेस नेता और कारोबारी राजीव जैन और उनसे जुड़े ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी. देहरादून समेत कई स्थानों पर हुई इस कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग की टीमें पहुंची थीं. अब चंदन सिंह जीना के खिलाफ श्रष्ठ की कार्रवाई के बाद 2024 की उस कार्रवाई का भी राजनीतिक संदर्भों में जिक्र होने लगा है. हालांकि दोनों मामले अलग-अलग एजेंसियों और अलग-अलग जांचों से संबंधित हैं. इसलिए इनके बीच कोई सीधा कानूनी संबंध मान लेना उचित नहीं होगा, लेकिन हरीश रावत के दो सबसे करीबी लोगों पर सरकारी एजेंसियों की नजर तिरछी होना कहीं न कहीं हरीश रावत के राजनैतिक करियर पर भी प्रभाव डालेगा.

इस्तीफे की बात ने बढ़ाया सस्पेंस: ईडी की कार्रवाई के बीच हरीश रावत का कांग्रेस में अपनी संगठनात्मक जिम्मेदारियों से इस्तीफा देना की बात कहना इस पूरे घटनाक्रम को और महत्वपूर्ण बना देता है. रावत का कहना है कि उनकी वजह से कांग्रेस के भ्रष्टाचार विरोधी संघर्ष पर सवाल नहीं उठना चाहिए, लेकिन राजनीतिक हलकों में उनके फैसले के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं. सवाल यह भी है कि क्या यह केवल नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने का कदम है या फिर रावत इसके जरिए पार्टी नेतृत्व को कोई राजनीतिक संदेश देना चाहते हैं. उत्तराखंड कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटीय राजनीति और संगठन में बदलते शक्ति संतुलन के बीच रावत का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस पर राजनीतिक जानकार आदेश त्यागी का मानना है कि हरीश रावत उत्तराखंड की राजनीति के ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके फैसलों के पीछे के राजनीतिक संकेत को समझने के लिए उनके पूरे राजनीतिक सफर को देखना पड़ता है. रावत कब क्या कहते हैं और उसके पीछे उनका राजनीतिक उद्देश्य क्या होता है, यह तुरंत समझ में आना मुश्किल होता है. पिछले कुछ समय में पार्टी के भीतर उनकी भूमिका पहले की तुलना में कमजोर दिखाई देने की चर्चाएं भी रही हैं. ऐसे में पद छोड़ने के फैसले को केवल इस्तीफा मान लेना पर्याप्त नहीं होगा यह पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है. आदेश त्यागी की माने तो हरीश रावत का ये कदम अपनी राजनीतिक वजूद का संदेश है या वास्तव में मौजूदा विवाद से खुद को अलग रखने का प्रयास, इसका जवाब आने वाले दिनों में सामने आएगा.

वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक का पेड़ कटान व्यवस्था पर पत्र, असंमजस में अधिकारी

देहरादून, एजेंसी। वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक ने पेड़ कटान को लेकर व्यवस्थाओं पर एक पत्र लिखा है. जिसके साथ ही निगम में कई तरह की पेचीदगियां खड़ी हो गई है. पेड़ कटान में ठेकेदारों की एंट्री से होने वाली परेशानी से लेकर निर्धारित दरों की स्थिति में संवेदनशील मामलों पर संशय के हालात बन गए हैं.

वन विकास निगम, प्रदेश में वन विभाग द्वारा चिन्हित किए गए पेड़ों को काटने और नीलाम करने का काम करता है. इस दौरान ढुलान का काम निजी क्षेत्र से निविदा के माध्यम से करवाया जाता है. इस को लेकर वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक नीना ग्रेवाल ने एक ऐसा पत्र लिखा है, जिसके कारण निगम के अधिकारियों के सामने कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें आना तय है. दरअसल, पत्र में प्रबंध निदेशक नीना ग्रेवाल ने पेड़ों के विदोहन से लेकर ढुलान तक के लिए तय दरों पर ही काम कराए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को लिखा है. इस दौरान इस पत्र में 4 बिंदुओं में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं. वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक के मुताबिक, पेड़ों के कटान से लेकर ढुलान तक के काम को टेंडर के जरिए करने को कहा गया है. ताकि पारदर्शी तरीके से निर्धारित दरों पर इन कार्यों को कराया जा सके. हालांकि पेड़ों के कटान और ढुलान को टेंडर के माध्यम से किए जाने और निर्धारित दरों पर ही काम कराए जाने के इन निर्देशों के बाद जीएम कुमाऊं तेजस्वनी पाटिल ने कई व्यवहारिक परेशानियां आने से संबंधित पत्र वन विकास निगम की प्रबंध निदेशक को लिखा है. इसमें साफ किया गया है कि पेड़ कटान के काम में निजी क्षेत्र के ठेकेदारों की एंट्री से जंगलों में अवैध कटान से लेकर अनियमितता की स्थिति बन सकती है. जिसके लिए प्रबंध निदेशक से दिशा निर्देश मांगे गए हैं.

धामी सरकार तैयार करेगी नीम करौली बाबा दर्शन सर्किट

यूपी से भी जुड़ेंगे स्थल

देहरादून, एजेंसी। नीम करौली बाबा की जीवनी पर बनी फिल्म हनुमान अंश की सफलता के बाद उत्तराखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. उत्तराखंड सरकार ने नीम करौली से जुड़े प्रमुख स्थलों को एक सर्किट में शामिल करने का निर्णय लिया है. पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि कैंची धाम, काकड़ी घाट और ऋषिकेश सहित वे सभी स्थल जहां बाबा ने निवास या साधना की, उन्हें चिन्हित कर धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा. वर्तमान समय में कैंची धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नीम करौली बाबा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं. ऐसे में सर्किट बनने के बाद श्रद्धालुओं को अन्य स्थानों की भी जानकारी मिल सकेगी, जहां बाबा ने निवास या साधना की है. नीम करौली के जीवन पर आधारित फिल्म हनुमान अंश को लोग काफी अधिक पसंद कर रहे हैं. करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से बनी फिल्म 33 दिनों में 170 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है. इसके बाद अब उत्तराखंड सरकार ने बाबा के प्रमुख आश्रमों और निवास स्थलों को जोड़कर एक समग्र दर्शन सर्किट बनाने का निर्णय लिया है.

नीम करौली बाबा दर्शन सर्किट में उत्तराखंड के प्रमुख स्थलों को शामिल किया जाएगा, जिसमें नैनीताल जिले के भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर स्थित कैंची धाम शामिल हैं.

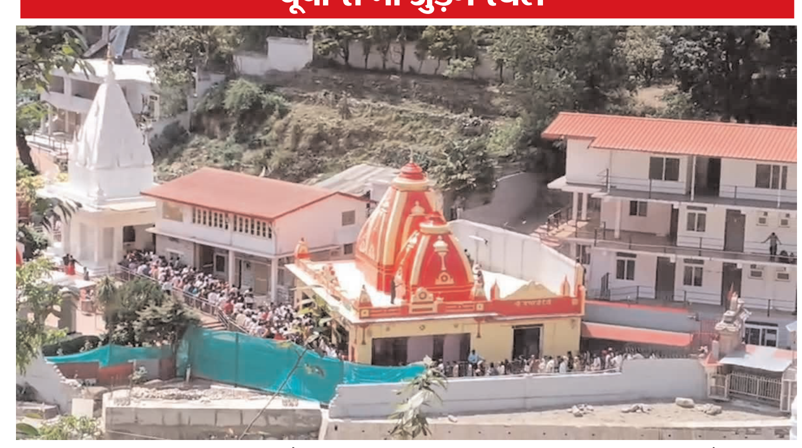

ये बाबा का सबसे प्रसिद्ध आश्रम है. यहां देश-विदेश से लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं. इसके साथ ही काकड़ी घाट आश्रम, जो पवित्र स्थान बाबा की तपस्थली रहा है. यहां प्राचीन शिव मंदिर भी है. ऋषिकेश आश्रम में भी नीम करौली बाबा का आश्रम स्थापित है. यह आध्यात्मिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है. इसके अलावा, उत्तराखंड में भूमियाधार और हनुमान गढ़ी जैसे स्थानों पर भी बाबा के मंदिर हैं. उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी बाबा से जुड़े प्रमुख स्थल मौजूद हैं. उत्तर प्रदेश के मथुरा में बाबा का प्रसिद्ध आश्रम और समाधि मंदिर वृंदावन में स्थित है. जहां नीम करौली बाबा ने साल 1973 में अपने शरीर को त्यागा था. इसके साथ ही लखनऊ में भी नीम करौली बाबा का एक प्रसिद्ध मंदिर है. इसके अलावा, अकबरपुर (फिरोजाबाद) और कानपुर में भी बाबा का पवित्र स्थल है. ऐसे में उत्तराखंड के साथ ही उत्तरप्रदेश में मौजूद नीम करौली बाबा से जुड़े स्थलों को शामिल करते हुए नीम करौली महाराज सर्किट के रूप विकसित किया करने का निर्णय लिया है.

प्रदेश स्वास्थ्य प्राधिकरण के सर्वर में सेंध की कोशिश

पासवर्ड हैक कर क्रेडेंशियल्स चुराने की साजिश

देहरादून, एजेंसी। 21 अगस्त की रात राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के सर्वर पर संदिग्ध साइबर गतिविधि सामने आई। जांच के बाद आईटीडीए ने सुरक्षा बढ़ाने और प्रभावित कंप्यूटरों को फॉर्मेट करने के निर्देश दिए हैं। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के सर्वर में 21 अगस्त की रात 10:13 बजे से 10:54 बजे के बीच साइबर अपराधियों ने सेंध लगाने की कोशिश की। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) की जांच रिपोर्ट में ये साफ हो गया है। आईटीडीए ने अब प्राधिकरण को पत्र भेजकर तत्काल सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने को कहा है। सभी पासवर्ड बदले जाएंगे। प्रभावित कंप्यूटर फॉर्मेट करने होंगे। आईटीडीए ने माना कि प्राधिकरण की एक मशीन के जरिये संदिग्ध गतिविधि कर वर्चुअल मशीन को हैक करने का प्रयास किया गया। समय रहते सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होने से बड़ा साइबर हमला विफल हो गया। आईटीडीए के अपर निदेशक तीर्थ पाल सिंह ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अपर निदेशक को पत्र लिखकर तत्काल साइबर सुरक्षा के सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। आईटीडीए की प्रारंभिक तकनीकी जांच रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना रात के समय लगभग 10:13 बजे से 10:54 बजे के बीच घटी। कार्यालय पूरी तरह बंद था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में साफ हुआ कि उस दौरान दफ्तर में कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। इससे पुष्टि होती है कि सर्वर को बाहर से अनधिकृत तौर पर रिमोट एक्सेस के जरिये निशाना बनाया गया। लॉग्स की जांच में सामने आया कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने पहले कई गलत पासवर्ड डालकर खातों में जबरन घुसपैठ की कोशिश की, जिससे दो खाते लॉक हो गए। इसके कुछ ही मिनट बाद हमलावर स्वास्थ्य प्राधिकरण वेब सर्वर पर लॉगिन करने में कामयाब रहा। सिस्टम में प्रवेश करते ही नेटवर्क की रेकी के लिए एडवांस्ड आईपी स्कैनर चलाया गया। स्थानीय पासवर्ड व क्रेडेंशियल चुराने के लिए रजिस्ट्री फाइल को डाउनलोड करने की कोशिश की गई। हालांकि, सर्वर पर तैनात डीप सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर ने इस कमांड को बीच में ही रोककर सिस्टम को सुरक्षित कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, हमले की कोशिश को समय रहते रोक दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की फाइल चोरी या सर्वर के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। आईटीडीए ने आशंका जताई है कि यह हरकत किसी बाहरी हैकर, डेवलपर या थर्ड पार्टी यूजर की हो सकती है। पूरे मामले की तह तक जाने और हमले के स्रोत की पहचान के लिए विस्तृत फॉरेंसिक जांच कराने की सिफारिश की गई है।

प्रदेश के जीएसटी संग्रहण में लगातार सुधार, पिछले वर्ष की तुलना में इस साल अगस्त में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी

देहरादून, एजेंसी। जीएसटी संग्रहण बढ़ाने की दिशा में उत्तराखंड को लगातार सफलता मिल रही है। अगस्त में पिछले साल के मुकाबले जीएसटी संग्रहण 16 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि टैक्स स्लैब में बदलाव से आईजीएसटी में कमी आई है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में उत्तराखंड लगातार सुधार कर रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल अगस्त में जीएसटी संग्रहण में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि टैक्स स्लैब में बदलाव के चलते आईजीएसटी में थोड़ी कमी आई है। उत्तराखंड में जीएसटी के तहत 2.15 लाख से अधिक व्यापारी व फर्में पंजीकृत हैं। जीएसटी लागू होने से राज्य सरकार को राजस्व का आर्थिक नुकसान हुआ है। लेकिन उत्तराखंड टैक्स चोरी पर प्रभावी निगरानी व सुधार से जीएसटी संग्रहण में बढ़ोतरी कर रहा है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 12200 करोड़ राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए विभाग की ओर से जीएसटी रिटर्न, ई-वे बिल और वास्तविक कारोबार के डाटा विश्लेषण कर टैक्स चोरी करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह में 780 करोड़ का सरकार को राजस्व मिला था। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2026-27 में 920 करोड़ का राजस्व मिला है। बीते वर्ष के सापेक्ष यह 16 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी काउंसिल ने कई वस्तुओं पर जीएसटी की दरों में बदलाव किया है। इससे अगस्त में माह आईजीएसटी में कमी आई है। वर्ष 2025-26 में अगस्त माह में 340 करोड़ का आईजीएसटी उत्तराखंड से मिला था। जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या बढ़ रही है। प्रदेश में पंजीकृत व्यापारियों व फर्मों की संख्या 2.15 लाख से अधिक हो गई है। लेकिन कई व्यापारी टैक्स चोरी के लिए जीएसटी में फर्जी तरीके से पंजीकरण कर रहे हैं।

बीकेटीसी के कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी सौगात! बैठक में इन प्रस्तावों पर हुई चर्चा

यात्रा के दूसरे चरण की तैयारियां तेज

देहरादून, एजेंसी। ऋषिकेश में बीकेटीसी (बदरी-केदार मंदिर समिति) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का आभार व्यक्त करते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. बीकेटीसी की महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक शनिवार को ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप कार्यालय सभागार में बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. भगवान बदरीविशाल और भगवान केदारनाथ जी की स्तुति के साथ शुरू हुई इस बैठक में सबसे पहले विशेष आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया गया. इसके बाद पिछली बैठक की कार्रवाई की अनुपालन रिपोर्ट की समीक्षा की गई और फिर मुख्य एजेंडे पर विस्तार से चर्चा शुरू हुई. बैठक का मुख्य फोकस प्रथम चरण की यात्रा की सफलता की समीक्षा करने और आगामी द्वितीय चरण की यात्रा व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाने पर रहा. बैठक को संबोधित करते हुए बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के कुशल दिशा-निर्देशों में इस वर्ष की चारधाम यात्रा ऐतिहासिक रही है. उन्होंने प्रथम चरण की यात्रा को निर्विघ्न और सुगम तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रदेश सरकार का आभार जताया. अध्यक्ष ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष अभी तक 50 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने श्री हेमकुंड साहिब सहित चारधाम के दर्शन किए हैं, जबकि 60 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं. केवल श्री बदरीनाथ और श्री केदारनाथ धाम की बात करें तो रिकॉर्ड 32 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जिनमें बदरीनाथ धाम में 17,22,908 और केदारनाथ धाम में 14,92,047 तीर्थयात्री पहुंचे हैं.

76 करोड़ रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई: इस यात्रा सीजन में दोनों धामों से समिति को 76 करोड़ रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई है. पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 20 फीसदी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं, जबकि कपाट बंद होने में अभी दो महीने का समय शेष है. बैठक के एजेंडे को चर्चा के लिए रखा: मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ द्वारा बैठक के एजेंडे को चर्चा के लिए रखा गया. बैठक में यात्रियों की सुविधा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए. मुख्य रूप से द्वितीय चरण की यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने, वेबसाइट का आधुनिकीकरण करने, यात्रा एसओपी लागू करने, धामों व अधीनस्थ मंदिरों में सीसीटीवी कैमरों की पुख्ता व्यवस्था करने और चढ़ावे की गणना को पूर्ण पारदर्शी बनाने पर सहमति बनी.

संस्कृत महाविद्यालय नाम बदला जाएगा: इसके अलावा गुप्तकाशी शोणितपुर स्थित संस्कृत महाविद्यालय का नाम समिति के दिवंगत सदस्य श्रीनिवास पोस्ती के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया. बुनियादी ढांचे के विकास के तहत श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के जीर्णोद्धार का द्वितीय चरण शुरू करने, श्री तुंगनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार और श्री त्रिजुगीनारायण मंदिर को प्रसिद्ध 'वेडिंग डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए.

कर्मचारियों के पक्ष में भी लिए गए फैसले: समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने जानकारी दी कि कर्मचारियों और स्थानीय हकहकूकधारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए भी कई बड़े निर्णय लिए गए हैं. बैठक में अस्थायी कर्मचारियों के स्थायीकरण, 'समान कार्य समान वेतन' नीति, स्थायी कर्मचारियों की पदोन्नति व असमय दिवंगत अस्थायी कर्मियों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने पर विस्तृत चर्चा हुई. बिना स्थायी हुए सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों को अधिवर्षता आयु पूरी होने पर एकमुश्त राशि देने और कर्मचारी सेवानियमावली में आवश्यक सुधार करने के प्रस्ताव पारित किए गए.

युवाओं का अपना बुकबैंक हो, रचनात्मक किताबें भी खरीदें : योगी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में किताबों से दोस्ती बढ़ाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि खरीदारी के हर मौके पर पाठ्यक्रम की किताब को प्राथमिकता दें और साथ में रचनात्मकता बढ़ाने वाली किताबें भी खरीदें। अपना बुकबैंक तैयार करें, जो जीवनभर नई दिशा देने का काम करेगा। शनिवार को नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन करते उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में भी युवा किताबों से दूर नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के गोमती पुस्तक मेले के पांचवें संस्करण ने साबित किया है कि आज का युवा किताबें पढ़ता है। वह सोशल मीडिया पर केवल समय खराब नहीं करता, बल्कि चारों तरफ की चीजों को देखता, समझता और अपने ज्ञान का संचयन कर भविष्य का निर्माण करता है। पुस्तक मेले के माध्यम से हजारों छात्रों और युवाओं को एक मंच मिलेगा, जहां वे अपनी पसंद की पुस्तकें खरीद सकते हैं। यहां होने वाले कार्यक्रम मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धन भी करेंगे। पुस्तकें केवल पाठ्यक्रम में पारंगत नहीं बनातीं, बल्कि ज्ञान को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। दुनिया को समझने के लिए पुस्तकों की गहराई में जाना पड़ेगा।

ज्ञान को सीमित दायरों में न देखें : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा सदैव ज्ञानोभद्रा की रही है, यानी ज्ञान के आने के लिए चारों द्वार खुले रहने चाहिए। ज्ञान को सीमित दायरों में नहीं देखना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स बच्चों को भेंट की और कहा कि यह पुस्तक युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करती है। लखनऊ का साहित्य से पुराना नाता रहा है। भारत की वैदिक परंपरा को समझने की स्थली नैमिषारण्य यहां है। यह आयोजन केवल महोत्सव नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को समझने का समय है। डिजिटल युग में गांव और शहर की दूरी को कम

किया गया है। प्रदेश के पुस्तकालयों में एनबीटी की पुस्तकें भेजी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेले में सभी के लिए कुछ न कुछ है। इसे केवल पुस्तक खरीदने तक सीमित न रखते हुए व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए।

नई पीढ़ी को पुस्तकों से जोड़ने की सार्थक पहल : उद्घाटन सत्र में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि पुस्तक मेले के माध्यम से नई पीढ़ी को पुस्तकों और साहित्य से जोड़ने की यह सार्थक पहल है। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि समय अत्यंत मूल्यवान होता है। जीवन में बहुत सी चीजें दोबारा प्राप्त की जा सकती हैं, लेकिन पढ़ने के लिए मिला समय वापस नहीं आता। इसलिए हर पल का सदुपयोग कर जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पहल की सराहना करते हुए कहा कि एनबीटी बच्चों और युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध करा रहा है।

किताब स्कैन करते ही फोन में दिखा कार्टून : पुस्तक मेले में किताबों के बदलते रूप भी बच्चों को आकर्षित कर रहे हैं। मैजिकबॉक्स इंकमियो के स्टॉल पर खास तरह के पेपर की किताबें और पेपररोल मिल रहे हैं, जिनके साथ क्रेयॉन्स रंग भी शामिल हैं। इस कागज पर लिखने या रंगने के बाद उसे मिटाया जा सकता है और बच्चे दोबारा रंग कर सकते हैं। मोबाइल से स्कैन करने पर कागज पर बने कार्टून फोन में दिखाई देने लगते हैं। बच्चों की इस पर अलग ही प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

कपड़े से बनी किताबें...: छोटे बच्चों के किताबें फाड़ देने की समस्या को देखते हुए सुधीर जालान कपड़े से बनी किताबें लेकर आए हैं। ये किताबें फटती नहीं हैं और आसानी से धुली जा सकती हैं। उन्होंने कपड़े पर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत भी तैयार किए हैं। सुधीर ने बताया कि अब बच्चों के पढ़ने के लिए चार्ट भी कपड़े पर तैयार किए जा रहे हैं, ताकि वे लंबे समय तक चल सकें।

पुस्तक मेले का रहता है इंतजार

- पुस्तक मेले का हमेशा इंतजार रहता है। एआई के दौर में भी किताब पढ़ने का अलग आनंद है। एक ही जगह अलग-अलग प्रकाशकों की किताबें मिलना अलग अनुभव है।
  – **अशोक कुमार,** सेवानिवृत्त सिविल इंजीनियर
- पुस्तक मेले का अनुभव काफी अच्छा रहा। अलग-अलग लेखकों की किताबें एक ही जगह आसानी से मिल रही हैं, यह अच्छी पहल है।
  – **श्रृष्टि,** छात्रा
- मुझे अंग्रेजी और थ्रिलर किताबें पढ़ना पसंद है। यहां भी अलग-अलग तरह की किताबें उपलब्ध हैं। अनुभव बेहतर रहा।
  - **अक्षिता,** छात्रा

संक्षिप्त समाचार

लोक अदालत में 3.53 लाख मामले निस्तारित

लखनऊ , एजेंसी। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले में करीब 3.53 मामले निस्तारित कर 47.45 करोड़ रुपये वसूले गए। पुराने हाईकोर्ट स्थित मीडिएशन सेंटर में जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह की उपस्थिति में लोक अदालत शुरू हुई। लंबित मामलों में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के 285, वाणिज्यिक न्यायालय के 59, एनआई एक्ट के 1110 और पारिवारिक न्यायालय के 259 थे। राजस्व के 1,02,085, सीएमओ के 2,01,158 और नगर निगम के 18,892 मामले निस्तारित हुए। मौके पर हेल्थ व आधार कैंप भी लगाया गया। इसमें जिला जज मलखान सिंह समेत कई न्यायिक अधिकारियों, वकीलों व वादकारियों ने जांच कराई।

हड़ताल से 500 करोड़ का लेनदेन प्रभावित

गोरखपुर , एजेंसी। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने, परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) में असमानता खत्म करने समेत लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को बैंककर्मी हड़ताल पर रहे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर देशभर में करीब नौ लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हुए। गोरखपुर में बैंक रोड स्थित एसबीआई की मुख्य शाखा के सामने जिलेभर से जुटे कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और रैली निकाली। बैंक यूनियनों के अनुसार हड़ताल से गोरखपुर मंडल में करीब 500 करोड़ रुपये का लेनदेन प्रभावित हुआ।हड़ताल के कारण नकद जमा-निकासी, चेक क्लीयरेंस और बैंक ट्रांसफर समेत कई सेवाएं प्रभावित रहीं। रैली में महिला बैंककर्मियों की भी बड़ी भागीदारी रही। उन्होंने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। स्टेट बैंक स्टाफ एसोसिएशन के उपमहामंत्री राहुल कुमार गुप्ता ने कहा कि 2015 में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश की शुरुआत हुई थी। मार्च 2024 में सभी शनिवार को अवकाश देने और इसके एवज में प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करने पर सहमति बनी थी लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

स्पेशल ओलंपिक्स ट्रायल में कानपुर के दो खिलाड़ी और कोच लेंगे हिस्सा

कानपुर, एजेंसी। फिलीपींस में पांच से नौ दिसंबर तक होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक (सोपा) तीन गुणा तीन बास्केटबॉल (ट्रेडिशनल) प्रतियोगिता के लिए भारतीय दल के चयन ट्रायल 13 से 15 सितंबर तक सीडीएस, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में होंगे। इसमें कानपुर के दो खिलाड़ी और एक कोच उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उत्तर प्रदेश स्पेशल ओलंपिक भारत की चयन प्रक्रिया के तहत कानपुर कैंटोनमेंट बोर्ड के प्रेरणा स्पेशल स्कूल से पुरुष खिलाड़ी युवराज चौरसिया, महिला खिलाड़ी सृष्टि गुप्ता और कोच सत्येंद्र सिंह यादव का चयन ट्रायल के लिए किया गया है। इसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय दल का चयन किया जाएगा। प्रदेश टीम के खिलाड़ियों और कोच का चयन उत्तर प्रदेश स्पेशल ओलंपिक भारत के अध्यक्ष मुकेश शुक्ला, स्पोर्ट्स एरिया डायरेक्टर संजीव दोहरे और स्पोर्ट्स सिलेक्शन कोऑर्डिनेटर मनोज सिंह के निर्देशन में किया गया। इस पर कैंटोनमेंट बोर्ड के मुख्य अधिशासी अधिकारी स्टीफन पीडी, प्रशासनिक अधिकारी वंदना सिन्हा, उपाध्यक्ष लखन लाल ओमर, प्रधानाचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल और सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट सुब्रतो भद्रा ने चयनित खिलाड़ियों व कोच को बधाई दी।

बास्केटबॉल में चंडीगढ़ और भोपाल का दबदबा

कानपुर, एजेंसी। केंद्रीय विद्यालय आईआईटी कानपुर में चल रही 55वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को अंडर-14 और 17 बास्केटबॉल मुकाबले हुए। अंडर-14 वर्ग में चंडीगढ़ और भोपाल की टीमों ने दो-दो मुकाबले और अंडर 17 में एक-एक मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 में चंडीगढ़ ने हैदराबाद को 47-33 से, भोपाल ने देहरादून को 30-0 से, चेन्नई ने जम्मू को 25-19 और वाराणसी ने बेंगलुरु को 17-15 से हराया। दिल्ली ने एर्नाकुलम को 34-8 और गुरुग्राम ने आगरा को 42-28 से शिकस्त दी। चंडीगढ़ ने दिल्ली, जबकि जयपुर ने आगरा को पराजित किया। लंच के बाद जम्मू ने रांची को 19-13, बंगलूरू ने जबलपुर को 21-20 और भोपाल ने वाराणसी को 25-22 से मात दी। अंडर-17 में चंडीगढ़ ने कोलकाता को 59-24 से हराया। मुंबई ने लखनऊ को 38-36 से, जबलपुर ने अहमदाबाद को 39-16 और भोपाल ने एर्नाकुलम को 35-31 से पराजित किया। प्रतियोगिता के तकनीकी पक्ष की निगरानी केवीएस मुख्यालय नई दिल्ली के तकनीकी पर्यवेक्षक डॉ. अभय सिंह राठौर ने की। मुख्य निर्णायक एवं बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के वीरेंद्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में मुकाबले कराए गए। इस दौरान संतोष कुमार मौर्य, वंदना सिंह राठौर, डॉ. अनवर अली और अमित कनौजिया मौजूद रहे।

तिरुपति में गूंजेगा डायमंड बॉल का दमखम, 13 को ट्रायल

आगरा, एजेंसी। आगरा की खेल प्रतिभाओं के लिए डायमंड बॉल में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मौका है। केवीएस स्पोर्ट्स पार्क, तिरुपति बालाजी (आंध्र प्रदेश) में 26 से 29 सितंबर तक प्रथम जूनियर राष्ट्रीय डायमंड बॉल प्रतियोगिता और प्रथम डायमंड बॉल फेडरेशन कप का आयोजन होना है। उत्तर प्रदेश की टीम के लिए 13 सितंबर को आगरा में खिलाड़ियों के चयन ट्रायल होंगे। उत्तर प्रदेश संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव सोई ने बताया कि गुरखी गोला डायमंड बॉल आगरा और भारतीय खेल संस्कृति से जुड़ा उभरता हुआ खेल है। तिरुपति में होने वाली प्रथम जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बालक, बालिका और मिश्रित वर्ग में मुकाबले होंगे। उत्तर प्रदेश डायमंड बॉल संघ के महासचिव दिलीप शर्मा ने बताया कि जूनियर वर्ग के लिए 2005 के बाद जन्मे खिलाड़ी पात्र होंगे। वहीं फेडरेशन कप के लिए ओपन कैटेगरी रखी गई है।

घर-घर विराजेंगे गणपति, 10:48 बजे से है पूजा का शुभ मुहूर्त

लखनऊ, एजेंसी। गणेश चतुर्थी पर विघ्नहर्ता गणपति की पूजा के लिए सुबह 10:48 बजे से दोपहर 1:16 बजे तक का समय सबसे शुभ रहेगा। 14 सितंबर को गणपति की स्थापना के साथ राजधानी में 10 दिवसीय गणेशोत्सव शुरू होगा। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे शुरू होगी और 15 सितंबर को सुबह 7:06 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर रवि योग दोपहर 1:55 बजे से 15 सितंबर की सुबह 5:52 बजे तक रहेगा। चित्रा नक्षत्र दोपहर 1:55 बजे तक रहेगा, इसके बाद स्वाति नक्षत्र शुरू होगा। ब्रह्म योग दोपहर 12:47 बजे तक रहेगा और इसके बाद इंद्र योग प्रारंभ होगा। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्न दूर करने के साथ बुद्धि और समृद्धि प्रदान करते हैं। गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा को सिंदूर अर्पित कर मोदक या लड्डू का भोग लगाने की परंपरा है। श्रद्धालु 10 दिन तक

गणपति की पूजा-अर्चना करेंगे।

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल का कहना है कि गणेश चतुर्थी के दिन चंद्र दर्शन से बचने की मान्यता है। ऐसा करने पर मिथ्या कलंक लगने की बात कही गई है। भूलवश चंद्र दर्शन हो जाए तो श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध के 56-57वें अध्याय में वर्णित स्यमंतक मणि की कथा का श्रवण लाभकारी माना गया है।

16 जिलों, 71 विधानसभा क्षेत्रों और 31168 बूथों तक पहुंचेंगे; तैयारी

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा काशी क्षेत्र काशी से वडनगर तक राजनीतिक-सांस्कृतिक संदेश देने की तैयारी में है। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर बाबा विश्वनाथ का 10 नदियों के जल से जलाभिषेक करने के बाद भाजयुमो की बाइक यात्रा काशी से रवाना होगी। करीब 20 दिन बाद सात अक्तूबर को प्रधानमंत्री की जन्मभूमि वडनगर में इसका समापन होगा। इसके साथ ही 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक काशी क्षेत्र के 16 जिलों में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

रोहनिया स्थित भाजपा काशी क्षेत्र मुख्यालय पर बृहस्पतिवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों और क्षेत्र कार्यसमिति सदस्यों की बैठक में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने अभियान का ब्लूप्रिंट पदाधिकारियों के सामने रखा और 16 जिलों में कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। अभियान का सबसे प्रमुख कार्यक्रम काशी से वडनगर तक प्रस्तावित बाइक यात्रा होगी। 17 सितंबर को काशी

विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों के जल से जलाभिषेक के बाद यात्रा शुरू होगी। लगभग 20 दिन की यात्रा सात अक्तूबर को वडनगर पहुंचेगी।

भाजपा इसे प्रधानमंत्री की कर्मभूमि काशी और जन्मभूमि वडनगर को जोड़ने वाले संदेश के रूप में पेश करेगी। भाजपा ने एक महीने के अभियान को संगठन के 16 जिलों के साथ 71 विधानसभा क्षेत्रों, 337 मंडलों और 31,168 बूथों तक ले जाने की योजना बनाई है। बूथ स्तर पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम होगा। इसमें कार्यकर्ताओं के साथ युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की भागीदारी कराने की तैयारी है। सपनों का भारत कार्यक्रम के तहत स्कूलों में विकसित भारत के संकल्प को लेकर गतिविधियां और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी।

गांवों में ग्राम चौपाल और सीधा संवाद

गांवों में ग्राम चौपाल और सीधा संवाद के जरिये लोगों से संपर्क किया जाएगा। अशोक चौरसिया ने बताया कि अभियान में 13 प्रमुख कार्यक्रम होंगे। इनमें नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र एवं घर-घर से राष्ट्र तक, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज और जनसेवा महाकुंभ शामिल हैं। बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नवरतन राठी, अखंड सिंह, संतोष सोलापुरकर, शैलेंद्र मिश्रा, सोनू पंडित समेत अन्य मौजूद रहे।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बाघ मित्रों, वनकर्मियों, गाइड्स और चालक को किया सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के मुस्तफाबाद में शनिवार को आयोजित 10वें वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने 140 बाघ मित्रों समेत वनकर्मियों, गाइड्स और चालकों को सम्मानित किया।

इस दौरान वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों के कल्याण के लिए कई घोषणाएं की गईं। कार्यक्रम का आयोजन इन्वायरमेंट वारियर्स की ओर से मां पीतांबरा बगलामुखी सिद्धि पीठ उत्तराखंड ट्रस्ट के सहयोग से किया गया। 140 बाघ मित्रों को प्रशस्ति-पत्र, टॉर्च और साड़ी देकर सम्मानित किया गया। वनकर्मियों की सुरक्षा और प्राथमिक उपचार के लिए वन विभाग को 50 रेनकोट और 10 मेडिकल/फर्स्ट-एड किट दी गईं। गाइड्स और चालकों को भी सम्मानित किया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने घोषणा की कि अक्तूबर-2026 में वन्यजीव सप्ताह के दौरान विशेष बीमा शिविर आयोजित किया जाएगा। पात्र बाघ मित्रों को पांच लाख रुपये का जीवन बीमा और दो लाख रुपये का चिकित्सा बीमा दिलाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। अगले वर्ष पांच सर्वश्रेष्ठ बाघ मित्रों को 25-25 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और इससे जुड़े हितधारकों के कल्याण के लिए शासन को भेजे गए 10 लाख रुपये के प्रस्ताव की प्रभावी पैरवी का आश्वासन भी दिया। पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान और वाइल्डलाइफ फिल्म मेकर सुब्बैया नल्लामुथु भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पीटीआर पर फिल्म बनाएंगे सुब्बैया नल्लामुथु

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्म मेकर सुब्बैया नल्लामुथु ने तराई क्षेत्र और पीलीभीत टाइगर रिजर्व पर फिल्म बनाने की घोषणा की। फिल्म में क्षेत्र के बाघ, तेंदुए, जंगल, घास के मैदान, जैव विविधता, संरक्षण प्रयास और स्थानीय समुदायों के योगदान को वैश्विक दर्शकों के सामने रखा जाएगा। डॉ. राजेश्वर सिंह ने नल्लामुथु का परिचय कराते हुए बताया कि वन्यजीव फिल्म निर्माण में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। डीएफओ मनीष सिंह ने अत्याधुनिक लेपर्ड रेस्क्यू सेंटर के जल्द उद्घाटन की बात कही। पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कहा कि पीलीभीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वन्यजीव पर्यटन स्थल बनाने और पीलीभीत टाइगर रिजर्व को देश के सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व में प्रथम स्थान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

हरितालिका तीज आज, सुबह 6:05 से 7:06 बजे तक पूजा

लखनऊ, एजेंसी। सुहाग की लंबी उम्र और मनचाहे वर की कामना का पर्व हरितालिका तीज इस बार 14 सितंबर को मनाया जाएगा। व्रत की पूजा के लिए सुबह 6:05 से 7:06 बजे तक का समय शुभ रहेगा। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 13 सितंबर को सुबह 7:08 बजे शुरू होकर 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार व्रत 14 सितंबर को रखा जाएगा। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। तभी से हरितालिका तीज पर सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और युवतियां मनपसंद वर की कामना से निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं मिट्टी से शिव-पार्वती और गणेश समेत परिवार की प्रतिमाएं बनाकर पूजा करती हैं। माता पार्वती का श्रृंगार कर उन्हें सुहाग की सामग्री अर्पित की जाती है और व्रत कथा सुनी जाती है। शाम को प्रदोष काल में भी शिव-पार्वती की पूजा की जाती है।

सेवानिवृत्त एआरएम को डिजिटल अरेस्ट रख 14 लाख रुपये ठगे

लखनऊ, एजेंसी। साइबर जालसाजों ने परिवहन विभाग से सेवानिवृत्त एआरएम राजाजीपुरम निवासी बैकुंठ नाथ मिश्र को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख 14 लाख रुपये वसूल लिए। ठगों ने खुद को पुलिस और सीबीआई का अफसर बताकर उनसे बात की थी। आरोपियों ने बुजुर्ग पर आतंकी संगठनों से संबंध होने का आरोप लगाकर जेल भेजने की धमकी दी थी। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। साइबर क्राइम थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर आलोक राव के मुताबिक, बैकुंठ नाथ के पास एक सितंबर को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना नाम सुरेश बताया और कहा कि उनके आधार कार्ड से मुंबई के तिलक नगर पते पर सिम

कार्ड लिया गया है। इसी सिम से केनरा बैंक की बांद्रा शाखा में खाता खोला गया है और उसमें मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। बैकुंठ नाथ ने आरोप से इन्कार किया तो कॉल वरिष्ठ अधिकारी संदीप नागर को ट्रांसफर कर दी गई। आरोपी ने पुलिस की वर्दी पहनकर वीडियो कॉल पर बात की। उसने दावा किया कि बैकुंठ नाथ के खाते में पाकिस्तान से ढाई करोड़ रुपये आए हैं और उन्हें 25 लाख रुपये कमीशन मिला है। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें पुलवामा में हुई आतंकी घटना में भी संलिप्त बताया

जाली वारंट भेजकर डराया–आरोपी सात दिन तक कभी डीजीपी तो कभी सीबीआई अधिकारी बताकर उनसे बात करते रहे। वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी रखने के साथ किसी को जानकारी देने पर जेल भेजने की धमकी दी।

खाने में खराबी पर गुस्सा, सड़क पर उतरे एएमयू छात्र

अलीगढ़, एजेंसी। मेस की थाली में कभी अधपके चावल तो कभी खराब सब्जी...शिकायतें भी लगातार, लेकिन व्यवस्था जस की तस। शनिवार रात इसी नाराजगी में एएमयू के सर सैयद हॉल नॉर्थ के छात्र सड़क पर उतर आए। रात करीब 10:30 बजे छात्र वीसी आवास के बाहर पहुंच गए और धरने पर बैठकर यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों का कहना है कि करीब डेढ़ महीने से मेस के खाने की गुणवत्ता और मात्रा के बारे में शिकायतें की जा रही हैं। कभी चावल अधपके मिलते हैं तो कभी सब्जी खराब होने की शिकायत सामने आती है। छात्रों ने खाने में कीड़े मिलने का आरोप भी लगाया। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।छात्र नेता अनस ने कहा कि प्रोवोस्ट, वार्डन और डाइनिंग इंचार्ज को कई बार लिखित शिकायत दी गई। हर बार सुधार का भरोसा मिला, लेकिन छात्रों के मुताबिक मेस की व्यवस्था में बदलाव नहीं हुआ। पूरी फीस लेने के बावजूद भोजन की मात्रा भी पर्याप्त नहीं दी जा रही है। खराब खाने से विद्यार्थियों के बीमार पड़ने का डर भी छात्रों ने जताया। उनका दावा है कि कुछ विद्यार्थियों को पेट दर्द और फूड प्वाइजनिंग जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

टेपची कला को सहेजने और नई पहचान देने के लिए फिक्की फ्लो ने कराया फैशन शो

लखनऊ, एजेंसी। रोशनियों से सजे रैंप पर शनिवार की शाम फैशन के साथ लखनऊ की पारंपरिक कारीगरी की चमक भी नजर आई। गोमतीनगर स्थित होटल में फिक्की फ्लो लखनऊ की ओर से आयोजित फैशन शो 'गुलमोहर 2026' में स्थानीय डिजाइनरों और कारीगरों के हुनर को आधुनिक अंदाज में पेश किया गया। आयोजन का खास आकर्षण लुप्त होती टेपची कला को सहेजने और उसे नई पहचान देने की पहल रही। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने शो-स्टॉपर के रूप में रैंप पर उतरकर आयोजन की चमक बढ़ाई। गुलमोहर रनवे पर छह डिजाइनर-ज्वैलर जोड़ियों ने प्रस्तुतियां दीं, जबकि फिक्की फ्लो की सदस्यों ने 'म्यूज' के रूप में रैंप पर वॉक किया।

फिक्की फ्लो लखनऊ की चेयरपर्सन सिमरन साहनी के मार्गदर्शन में हुए इस फैशन फंडरेजर का उद्देश्य स्थानीय डिजाइनरों, ज्वैलर्स और कारीगरों को

मंच देना रहा। कार्यक्रम की इवेंट चेयर सान्या वाधवा की परिकल्पना में फैशन को सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्य से जोड़ा गया। आयोजकों ने टेपची कला से जुड़े कारीगरों को पहचान और काम के नए अवसर देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में फिक्की फ्लो की नेशनल प्रेसिडेंट पूजा गर्ग के साथ डिजाइनर रिंपल और हरप्रीत नरूला भी शामिल हुए। आयोजन में सीनियर वाइस चेयर देवांशी सेठ, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट वंदिता अग्रवाल, वाइस चेयर निवेदिता सिंह, सेक्रेटरी प्रज्ञा अग्रवाल, जॉइंट सेक्रेटरी अदिति जग्गी रस्तोगी और जॉइंट ट्रेजरर वसुधा जैन समेत एग्जीक्यूटिव कमेटी की भूमिका रही। टेपची कला लखनऊ की विश्व प्रसिद्ध चिकनकारी कढ़ाई का एक मुख्य और पारंपरिक टांका है। यह चिकनकारी के सबसे बुनियादी और शुरुआती टांकों में से एक है, जो कपड़ों पर बेहद खूबसूरत और बारीक पैटर्न बनाता है।

मथुरा में शिक्षकों ने विद्या भारती स्कूलों की शैक्षिक व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

-उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश से अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत विद्वानों का आगमन हुआ

● **उत्तराखंड, हरियाणा समेत 4 राज्यों के शिक्षाविदों ने देखी गतिविधियां**

मथुरा। विद्या भारती विद्यालय कृष्णचन्द्र गाँधी सरस्वती शिशु वाटिका, कृष्णचन्द्र गाँधी सरस्वती शिशु मंदिर चामुंडा मार्ग मथुरा एवं कृष्णचन्द्र गान्धी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज , माधव कुंज, मथुरा में विद्यालय की विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के अवलोकन के लिए उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश से अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत विद्वानों का आगमन हुआ है, उन्होंने विद्यालय की विभिन्न शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, विद्या भारती की पंचपदीय अधिगम पद्धति, विद्या भारती के आयामों, केन्द्रीय आधारभूत विषयों का अध्ययन एवं प्रत्यक्ष अवलोकन किया। विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने बताया,कि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सहयोग से देशभर के विद्या भारती विद्यालयों के विद्यालय दर्शन की योजना बनाई गई है। यह कार्यक्रम अध्यापक विकास कार्यक्रम के रूप में शिक्षा विभाग से जुड़े विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं रिसर्च स्कॉलर्स के लिए आयोजित किया गाया। साथ ही उन्होंने बताया,कि विद्यालय दर्शन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा देशभर में संचालित विद्यालयों के माध्यम से विकसित गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति का अध्ययन करना है। इसके अंतर्गत भारतीय शिक्षा दर्शन, भारतीय ज्ञान परंपरा, पंचकोशात्मक समग्र विकास, पंचपदी अधिगम पद्धति तथा विद्यालय जीवन के विभिन्न पक्षों का गहन अध्ययन एवं अवलोकन किया जा रहा है।हमारे विद्यालय में सरदार भगत सिंह पी.जी कॉलेज रूद्रपुर उत्तराखंड से श्रीमती श्रृंखला जोशी, वी.पी.एस. महाविद्यालय सोनीपत हरियाणा से सुश्री वन्दना, इंटर्नल यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश से हर्षित अग्रवाल, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी लखनऊ से प्रद्युम्न गौर का आगमन हुआ। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम छह से दस सितम्बर तक आयोजित किया गया। विद्यालय दर्शन कार्यक्रम के अंर्तगत विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक विषयों को लेकर विद्यालय के स्वाबलंबी छात्रों, अभिभावकों, प्रबंध समिति तथा विद्यालय के आचार्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया।

विद्यालय भारती दर्शन कार्यक्रम में समन्वयक के रूप डॉ. प्रहलाद सिंह का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। विद्या भारती दर्शन कार्यक्रम के संयोजक उप प्रधानाचार्य राजीव पाठक प्रवक्ता विनय कुमार, उमेश शर्मा, लोकेश अग्रवाल, नरेंद्र कुमार वाटिका प्रभारी रुचिरा वर्मा एवं श्री चन्द्रपाल सिंह रहे।

वृंदावन: स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव में देश के दिग्गज कलाकार देंगे प्रस्तुति

▶▶ 18 सितंबर से शुरू होगा स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव

मथुरा। वृंदावन में श्री राधाष्टमी और स्वामी हरिदास जी के आविर्भाव दिवस के शुभ अवसर पर दो दिवसीय स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह महोत्सव आगामी 18 और 19 सितम्बर को रमणरेती स्थित वन महाराज कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव में देश के कई नामचीन और प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि स्वामी हरिदास जी ने अपनी अलौकिक स्वर साधना से पूरे विश्व को भारतीय संगीत के ज्ञान से परिचित कराया और ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज जैसी अलौकिक छवि दी। उन्होंने इस आयोजन को भारतीय संस्कृति और संगीत से प्रेम करने वालों के लिए एक अद्भुत उपहार बताया। इसी वार्ता के दौरान पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने कहा कि इस मंच पर पिछले ढाई दशक से लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि आगामी वर्ष में सांसद व नृत्य कलाकार हेमा मालिनी भी इस मंच से अपनी भावांजलि अर्पित करेंगी। इस दो दिवसीय महोत्सव में राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक जगत की कई हस्तियां शामिल होंगी।

अब ब्रज में चट्टा चौथ नहीं आती, गणेश चतुर्थी मनाते हैं

● **चट्टा चौथ बिरज में आई: विद्यार्थियों को समर्पित अनूठा पर्व आज ब्रज में गणेश चतुर्थी का परंपरागत स्वरूप चट्टा चौथ रहा है**

मथुरा। तीज त्योहारों का सामाजिक महत्व और उन्हें परंपरागत रूप से मनाने के तरीके कुछ वर्षों में पूरी तरह से बदल गये हैं। तीन से चार दशक पहले तक ब्रज में जिन पर्व और त्योहरों को जिस स्वरूप में मनाया जाता था अब लोग उस स्वरूप में इन्हें नहीं मना रहे जबकि नई पीढी यह जानती नहीं कि ये पर्व कुछ दशक पहले किस तरह मनाये जाते थे। गणेश चतुर्थी यानी ब्रज की चट्टा चौथ को मनाने का तरीका कुछ दशक पहले तक आज जैसा नहीं था। अब गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की मूर्ति की घर में स्थापना की जाती है। सार्वजनिक रूप से गली मोहल्लों, नुक्कड़ों पर अथवा सोसाइटियों में पंडालों में गणपति बप्पा को विराजमान कर कई दिनों तक पूजा पाठ और दूसरे कार्यक्रम चलते हैं। इसके बाद नदी, कुड, तालाबों में प्रतिमाओं का गाजे बाजे के साथ विसर्जन किया जाता है। बडी शिक्षण संस्थानों में भी प्रतिमाओं की पंडालों में स्थापना की जाती हैं। कुछ दशक पहले तक ब्रज में चट्टा चौथ मनाने का यह वर्तमान स्वरूप नहीं था। ब्रज भाषा में चट्टा विद्यार्थी को कहा जाता है और चौथ चतुर्थी को। यानी यह विद्यार्थियों को समर्पित आयोजन था। गांव में बमुश्किल एक स्कूल होता था। विद्यालय में जुलाई के अंत तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो जाती थी। अगस्त के महीने में चट्टा चौथ तक पढ़ाई ढर्रे पर आ जाती थी। यह भी पता चल जाता था कि कौन सा बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आ रहा है और कौन नहीं। कितने बच्चे स्कूल आने के बाद बंद हो गये और प्रवेश पाने योग्य आयु के कितने बच्चे स्कूल आये ही नहीं। किस बच्चे ने पढाई छोड दी है। चट्टा चौथ की तैयार पाठशाला में होती थी तो पाठशाला जाने वाले बच्चों के घरों में भी कई दिन पहले से तैयारी शुरू हो जाती थीं। गणेश चतुर्थी के दिन पाठशाला में आने वाले बच्चों और गुरुओं के साथ गुड़धानी के लड्डुओं से इस त्यौहार को मनाया जाता था। आज के दिन सुबह से शुरू हुई चट्टों की आवाजें दोपहर तक रुकने का नाम नहीं लेती थीं, आसपास गली मोहल्ला तक महक जाता था और जब गणेश जी के भोग लगता था तो चौक दालान में बने बिलों से चूहे तक निकल आते थे। गुड़धानी के गुड़ और देशी घी के स्वाद में उत्तमता होती थी। दाऊजी का मेला जो कि बलदेव छठ के दिन होता है की अनौपचारिक शुरुआत भी हो जाती थी। चट्टा चौथ पर गुरुजनों के संरक्षण में पाठशाला के सभी विद्यार्थी गांव में निकलते थे। गुरूजी पूरे जत्थे के साथ हर विद्यार्थी के घर पहुंचते थे। हर घर पर पहले से ही बच्चों और गुरूजी की आवभगत की पूरी तैयारी की जाती थी। बच्चों को गुडदानी आदि खाने को दी जाती थी तो गुरूजी का पूरा सम्मान होता था। बच्चे के बारे में गुरूजी अभिभावकों से वार्ता करते थे। जिस बच्चे का घर होता था उसे भीड से बुलाया जाता था। गुरूजी समझाते थे बच्चे को लगातार पाठशाला भेंजें। बच्चे की प्रसंशा भी करते थे और कमजोरियों पर बात भी करते थे। इस दौरान गुरूजी यह भी जान जाते थे कि बच्चे के घर के हालात कैसे हैं और बच्चा किन परिस्थितियों में है। उसी के हिसाब से वह बच्चे के लिए सोचते थे। यह आज की पेरेंट्स मीटिंग और गैट टू गैदर का पुराना लेकिन भला और सटीक तरीका था। जो बच्चे बीच में स्कूल छोड रहे होते थे उन बच्चों और बच्चों के परिजनों को भी समझाया जाता था। जो स्कूल नहीं जा रहे थे उन्हें स्कूल आने के लिए और प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जाता था। कहा जा सकता है कि यह आज निकाले जाने वाली स्कूल चलो रैली का भी एक स्वरूप था लेकिन बेहतर और आत्मीय था।

श्री राम कृष्ण फाउंडेशन ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

मथुरा। श्री राम कृष्ण फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को मथुरा स्पोर्ट्स स्कूल परिसर में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान सैकड़ों नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। शिविर में कृष्णा डायग्नोस्टिक लैब के हेड गजराज राघव की टीम का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य शुभम शर्मा ने भी सहयोग प्रदान किया। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि फाउंडेशन स्वास्थ्य सेवा के साथ अन्नदान, गौसेवा, वस्त्र-कंबल वितरण, वृद्ध एवं बाल सेवा, धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन और पौधारोपण जैसे जनसेवा कार्य भी कर रहा है। इस अवसर पर संस्थापक एवं सचिव ठाकुर तेजपाल सिंह, अध्यक्ष पुष्पेंद्र बैरागी, उपाध्यक्ष रितिक, महामंत्री मनोज ठाकुर, सह-महामंत्री मुकेश राघव, कोषाध्यक्ष शिवम सहित संस्था के सदस्य मौजूद रहे। संस्था ने सभी सहयोगियों एवं विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया।

फैक्ट्रियों के प्रदूषण से ग्रामीणों का जीना हुआ मुहाल

▶▶ कैबिनेट मंत्री से लगाई की गांव की आबोहवा को बचाने की गुहार

मथुरा। टीटीजेड क्षेत्र की परिधि में मथुरा जनपद का अधिकांश हिस्सा आता है। ताज ट्रेपेजियम जोन के बाहर पडने वाला मथुरा जनपद का कुछ हिस्सा हरियाणा की सीमा से सटा कोसीकला क्षेत्र में है। इसी के चलते इस क्षेत्र में बडी संख्या में औद्योगिक इकाइयां लगी हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणों का आरोप है कि इन उद्योगों का उन्हें लाभ कम मिल रहा है जबकि नुकसान अधिक उठाना पड रहा है। कोसीकलां के कोटवन इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित फैक्ट्रियों से हो रहे कथित प्रदूषण के विरोध में नवीपुर गांव के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर गांव से पैदल मार्च निकालते हुए कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी के आवास पहुंचे। वहां ग्रामीणों ने उन्हें एक ज्ञापन सौंपकर इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण गांव की हवा और पानी दोनों अत्यधिक दूषित हो चुके हैं। इसके चलते गांव में गंभीर बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है और लोग विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने, हवा व पानी के नमूने लेकर उनका वैज्ञानिक परीक्षण कराने तथा मानकों का उल्लंघन करने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग रखी। ज्ञापन लेने के पश्चात कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जल्द ही संबंधित अधिकारियों और फैक्टरी संचालकों के साथ बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वार्ता के जरिए समस्या का उचित समाधान निकाला जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी फैक्ट्रियां निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित हों। वहीं, ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि समाधान न होने पर वे आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

चार पीढ़ियों की आयुर्वेदिक विरासत को आगे बढ़ा रहे प्रो. डॉ. कृष्णकांत पाण्डेय

▶▶ 23 वर्ष की उम्र में शुरू किया शिक्षण कार्य, करीब चार दशक तक अध्यापन व शोध में दिया योगदान; अनेक राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित'

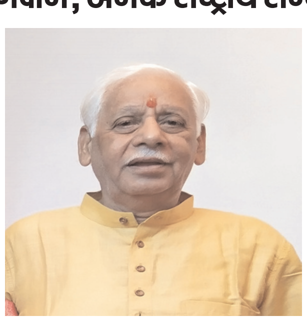

मथुरा। क्षेत्र के निवासी प्रोफेसर डॉ. कृष्णकांत पाण्डेय ने आयुर्वेद के क्षेत्र में चार पीढ़ियों से चली आ रही चिकित्सकीय परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। करीब 220 वर्षों की चिकित्सकीय पारिवारिक पृष्ठभूमि वाले डॉ. पाण्डेय ने महज 23 वर्ष की आयु में शिक्षण कार्य शुरू किया और लगभग 40 वर्षों तक विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्यापन किया। उन्होंने आयुर्वेद कॉलेज पीलीभीत, आयुर्वेद कॉलेज बरेली तथा आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य किया। इस दौरान उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रमाणित एवं वित्तपोषित अनुसंधान कार्यों में भी योगदान दिया। डॉ. पाण्डेय ने आयुर्वेद विभाग एवं संकाय अध्यक्ष तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल के सदस्य के रूप में भी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा वे भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद के सदस्य के रूप में भी कार्यरत रहे। आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 1998 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा डॉक्टर्स स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 1994 में ज्ञानदातव्य न्यास, दिल्ली द्वारा उनकी पुस्तक श्रचना शारीरश् के लिए सम्मान मिला। इसके बाद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने रचना शारीर (1995) तथा क्रिया शारीर (1997-98) के लिए उन्हें सम्मानित किया। वर्ष 2003 में उन्हें राष्ट्रीय आयुर्वेद एकेडमी, भारत सरकार, नई दिल्ली की रत्न सदस्यता भी प्राप्त हुई। चिकित्सा शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव तथा लेखन कार्य ने विद्यार्थियों, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराई है। बलदेव की इस चिकित्सकीय विरासत ने शिक्षा, शोध और साहित्य के माध्यम से आयुर्वेद के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

राघाष्टमी: पिछले वर्ष से इस बार 10 लाख अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

श्री राधा रानी का 2554 वां जन्मोत्सव महोत्सव मनाया जाएगा

मथुरा। राधाष्टमी महोत्सव पर विगत वर्ष जिला प्रशासन ने 15 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया था और इसी के तहत तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया था। इस बार जिला प्रशासन का अनुमान है कि बरसाना में इस अवसर पर 25 लाख श्रद्धालुओं का आगमन संभावित है। राधाष्टमी महोत्सव के आयोजन में अब चंद दिन शेष रह गए हैं। लेकिन अभी यहां पीडब्ल्यूडी ,वन और विद्युत विभाग सक्रिय दिखाई नहीं दे रहे हैं। इन विभागों के अधिकारियों पर डीएम के आदेशों का कोई असर नहीं है। 19 अगस्त की सुबह चार बजें श्रीकृष्ण की आह्लादिनी शक्ति श्री राधा रानी का 2554 वां जन्मोत्सव महोत्सव श्री धाम बरसाना में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस जन्मोत्सव में सहभागिता करने के लिए देश विदेश से 25 लाख श्रद्धालु आने की संभावना है। लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा देने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा व्यवस्थाएं धरातल पर की जाती हैं। मेला के शुरू होने के चार दिन शेष रह गए कितु पीडब्ल्यूडी विभाग ने गोवर्धन बरसाना मार्ग, छाता बरसाना मार्ग, कोसी नंदगांव मार्ग, ऊंचा गांव मार्ग पर हो रहे गड्डों तक को अभी नहीं भरा गया है। सड़कों में हो रहे गड्ढे से पैदल चलने वाले यात्रियों के चोटिल होने की संभावना है। पीडब्ल्यूडी विभाग की सड़कों पर कस्बा क्षेत्र में कई जगह स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण किया हुआ है किंतु अभी तक यह अतिक्रमण नहीं हटाया गया। वन विभाग के द्वारा सड़कों के किनारे खड़ी बबूल की झाड़ियों ने 5 से 6 फीट तक सड़कों को घेर लिया है। इन झाड़ियों की टहनियों को काटा नहीं गया है। दूसरी तरफ कस्बे में मिलावटी मिठाई धड़ल्ले से बिक रही है। ऐसी मिठाइयों को खाने से मेले के दौरान फूड पाइजनिंग यात्रियों में हो सकती है। बिजली विभाग द्वारा कस्बे में बिजली सप्लाई लगातार देने में असमर्थ नजर आ रहा है। सुधार के नाम पर बिजली विभाग मुश्किल से 8 से दस घंटे बिजली सप्लाई दे पा रहा। जिसमें हर घंटे ट्रिपिंग होती रहती है। विभाग के रबैया यदि मेले के दौरान ऐसा ही रहा तो राधा अष्टमी के दिन कैसे कस्बे को 26 घंटे विद्युत आपूर्ति मिलेगी। सभी विभागीय अधिकारियों को जिलाधिकारी सीपी सिंह ने मेला बैठक के दौरान आदेश दिए थे कि सभी विभाग जिम्मेदारी से अपने कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उसके बाद भी तीनों विभागों के अधिकारी मेले के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। इन विभागों के अधिकारी शीघ्र नहीं चेते तो मेला के दौरान यहां आने वाले लाखों भक्तों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

कृष्णा नगर में 350 से अधिक लोगों ने चलाया सफाई अभियान

मथुरा। ब्रज की पवित्रता और सुंदरता को बनाए रखने के संकल्प के साथ व्रज वैभव अभियान के अंतर्गत भांजनी सदमे, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद जिला प्रशासन एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा नगर क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में भ्मंतजनिसदमे के करीब 250 स्वयंसेवकों और नगर निगम के 100 कर्मचारियों ने मिलकर स्वच्छता का संदेश जन–जन तक पहुंचाया। स्वच्छता अभियान से पूर्व नगर निगम सभागार में हार्टफुलनेस द्वारा सामूहिक ध्यान सत्र आयोजित किया गया। ध्यान के बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता को केवल अभियान नहीं बल्कि अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इसके पश्चात नगर निगम कार्यालय से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई, जो राधा नगर होते हुए कृष्णा नगर मार्केट तक चला। बड़ी संख्या में स्वयंसेवक हाथों में स्वच्छता का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे और सफाई के साथ स्थानीय लोगों एवं दुकानदारों को जागरूक किया। र्टफुलनेस समन्वयक निशांत शर्मा ने कृष्णा नगर मार्केट में दुकानदारों से संवाद किया और उन्हें दुकानों के बाहर डस्टबिन रखने तथा कूड़ा सड़क पर न फेंकने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि व्रज की स्वच्छता केवल किसी एक संस्था या विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है

मथुरा ने दिया ईको फ्रेंडली गणेश चतुर्थी का संदेश

प्लास्टर ऑफ पेरिस नहीं सामान्य मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं के लिए किया प्रेरित

मथुरा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मथुरा-वृंदावन नगर निगम एवं प्रोजेक्ट मथुरा ने लगातार तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूल 'मिट्टी के गणपति' कार्यशाला नगर निगम भूतेश्वर मुख्यालय में आयोजित की। जिसमें बच्चों, युवाओं और परिवारों सहित 50 से अधिक नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से 30 से अधिक गणेश प्रतिमाएं बनाईं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिमाओं की सामूहिक महाआरती हुई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया और सभी के लिए यादगार अनुभव बन गई। कार्यशाला का उद्देश्य प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं से होने वाले जल प्रदूषण को रोकना और सम्मानजनक विसर्जन का पर्यावरण-अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करना था। प्रतिभागियों को बताया गया कि मिट्टी की प्रतिमा को घर में पानी से भरे पात्र में विसर्जित कर, घुली हुई मिट्टी और पानी का उपयोग पौधों में किया जा सकता है। सीए विपुल अग्रवाल ने बताया कि यमुना घाटों पर स्वच्छता अभियान के दौरान विसर्जन के बाद छोड़ी गई प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं अक्सर दिखाई देती हैं, जिससे आस्था की गरिमा और पर्यावरण दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा, 'मिट्टी के गणपति को एक सकारात्मक जन-आंदोलन और नई परंपरा बनाना है, ताकि गणेश जी की भक्ति के साथ मां यमुना और प्रकृति की रक्षा भी हो।' नगर निगम के स्वच्छता विशेषज्ञ ऋषभ दुबे ने कहा कि बच्चों को ऐसे आयोजनों से जोड़ने पर उनमें छोटी उम्र से ही स्वच्छता, प्रकृति और जिम्मेदार विसर्जन के प्रति संवेदनशीलता विकसित होती है। उन्होंने स्वयं भी अपनी बेटी के साथ मिट्टी के गणपति बनाए। आईटी विशेषज्ञ विनीत द्विवेदी ने बताया कि प्रोजेक्ट मथुरा के साथ लगातार तीसरी बार 'मिट्टी के गणपति' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय पहल है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण दिल्ली से आए प्रसिद्ध कलाकार आदित्य चौधरी 'जामुनापारवाला' की जीवंत चित्रकारी रही।

कार्यशाला में तैयार यह कलाकृति नगर आयुक्त श्री ओजस्वी राज को भेंट की जाएगी। नेचर ग्रीन के अभिलाष सांगवान ने नगर निगम की सूचना, शिक्षा एवं संचार टीमों को प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं का चलन समाप्त करने और मां यमुना की रक्षा के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। मथुरा राउंड टेबल के राघव अग्रवाल ने परिवार सहित भाग लेते हुए ब्रजवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयं आगे आने का आह्वान किया।

महानियंत्रक औषधि से मिला अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

मथुरा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने औषधि महानियंत्रक से मुलाकात कर देश की दवा एवं फार्मेसी व्यवस्था में सुधार से जुड़ी विभिन्न मांगें रखीं। संगठन ने दवाओं की बिक्री और वितरण में पंजीकृत फार्मासिस्टों की भूमिका सुनिश्चित करने के साथ ही शेड्यूल के को समाप्त करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शेड्यूल के के प्रावधानों का दुरुपयोग होने से कई स्थानों पर गैर-पेशेवर लोगों द्वारा दवाओं की बिक्री की जा रही है। इससे मरीजों की सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। एसोसिएशन ने मांग की कि दवा बिक्री व्यवस्था को सख्त करते हुए योग्य एवं पंजीकृत फार्मासिस्टों की भूमिका सुनिश्चित की जाए। बैठक में अस्पतालों में दवा वितरण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई सरकारी और निजी अस्पतालों में अप्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से मरीजों को दवाएं वितरित की जा रही हैं। संगठन ने दवा वितरण का काम

पंजीकृत फार्मासिस्टों से कराए जाने को अनिवार्य करने की मांग की, ताकि दवा संबंधी गलतियों पर रोक लगाई जा सके। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार महानियंत्रक औषधि ने संगठन की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उचित स्तर पर विचार कर निर्णय लेने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार, आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष अनुज कुमार समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

लाइसेंस व्यवस्था में अनुपात तय करने की मांग– एसोसिएशन ने थोक और फुटकर दवा लाइसेंस के अनुपात को निर्धारित करने का भी प्रस्ताव रखा। संगठन के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में एक थोक लाइसेंस पर 10 फुटकर लाइसेंस (1रू10) और शहरी क्षेत्रों में एक थोक लाइसेंस पर सात फुटकर लाइसेंस (1रू7) का अनुपात तय किया जाना चाहिए। पदाधिकारियों का कहना है कि इससे दवा बाजार में संतुलन कायम करने में मदद मिलेगी।

जन औषधि केंद्रों में फार्मासिस्ट की भूमिका पर चर्चा– बैठक के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों के विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। महानियंत्रक औषधि की ओर से बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जन औषधि केंद्र खोले जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान इन केंद्रों में फार्मासिस्ट की भूमिका और उनके लिए रोजगार के अवसरों को लेकर भी प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा हुई।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में शिक्षा की भूमिका अहम : रोहित ठाकुर

शूलिनी विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम का द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित

सोलन। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करने और उन्हें रोज़गार के सीधे अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा मंत्री आज सोलन ज़िला में स्थित शूलिनी विश्वविद्यालय के ऑनलाईन शिक्षा कार्यक्रम का द्वितीय दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे।

रोहित ठाकुर ने प्रबंधन स्नातकोत्तर के दो बैच, अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर, वाणिज्य स्नातक (आनर्स) और व्यवसाय प्रशासन स्नातक के कुल 1047 विद्यार्थियों को उपाधि सहित 4 गोल्ड मेडल, 5 मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान किए।

शिक्षा मंत्री ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

रोहित ठाकुर ने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में शिक्षा अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे जहां छात्रों को घर बैठे शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है वहीं जीवन में आगे बढ़ने के लिए यह माध्यम उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह अपने कौशल से देश के लिए कुछ नया करें, रोज़गार के अवसर सृजित करें तथा देश के विकास में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में स्थापित हुई शूलिनी विश्वविद्यालय को शैक्षणिक श्रेष्ठता, शोध, नवीनता और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में वर्ष 2022 में डिस्टेंस एजुकेशन एवं ऑनलाईन सेंटर की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि शूलिनी विश्वविद्यालय प्रदेश में एक नॉलेज हब के रूप में स्थापित है और इसके प्रमाण विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और रैंकिंग में भी दिखाई देते है। उन्होंने कहा कि शूलिनी विश्वविद्यालय क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 452 वें स्थान, देश में 10वां तथा देश में निजी विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पर है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि शूलिनी विश्वविद्यालय से अब तक हजारों युवाओं ने शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर रोज़गार प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि शूलिनी विश्वविद्यालय अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है, जिससे अब तक लगभग 02 हजार पेटेंट दाखिल किए हैं और यह भारत में तीसरी सबसे बड़ी पेटेंट फाइलिंग यूनिवर्सिटी है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में तकनीक में तेज़ी से बदलाव आ रहे है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पहले ही हमारे काम करने, बातचीत करने, कुछ नया बनाने और समस्याओं को हल करने के तरीकों को बदल रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि तकनीक के साथ मिलकर काम करना सीखें और आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि नशा हमारे समाज में एक घातक बीमारी का रूप धारण कर रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि नशे से दूर रहें और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में उपयोग करें। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने इस अवसर पर छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।शूलिनी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पी.के. खोसला ने इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी सोलन नीरजा शर्मा, उच्च शिक्षा की निदेशक डॉ. सुनीता सिंह, शूलिनी विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति विशाल आनंद, कुलपति अतुल खोसला, सरोज खोसला, प्रो. आशीष खोसला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, छात्र व अभिभावक उपस्थित थे।

7 मौतों के बाद भी नहीं चेती एमसीडी, दिल्ली में अवैध पीजी सर्वे की कछुआ चाल; इस साल पूरा होना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में सात लोगों की मौत के बाद एक बार फिर कागजी लीपापोती शुरू हो गई है। अवैध निर्माण और पीजी के सर्वे के नाम पर खानापूरी की जा रही है। साथ ही जिस गति से एमसीडी काम कर रही है उससे नहीं लगता है कम से कम 2026 में इस समस्या से मुक्ति मिल पाएगी।

सत्य निकेतन की घटना के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर हुए सर्वे में एमसीडी मात्र 1500 पीजी का पता चार दिन में लगा पाई है जबकि अवैध निर्माण पर हुई कार्रवाई का आंकड़ा ही मात्र 100 पर पहुंचा है। जबकि इसकी मूल संख्या लाखों में हैं। जहां पर चौथी मंजिल से अतिरिक्त अवैध निर्माण किया गया है या फिर अवैध निर्माण जारी है। जबकि राजधानी में पीजी और अवैध रूप से संचालित इमारतों की संख्या अनुमानित रूप से 50 हजार है। जिसमें करीब पांच से सात लाख विद्यार्थी या नौकरी पेशा लोग रहते हैं। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट मांगी तो एमसीडी ने पहले ही दिन सर्वे में 1100 इमारतों की पहचान कर ली। जिससे लगा कि एमसीडी इस बार सख्ती से काम करेगी लेकिन, अगले तीन दिन में यह आंकड़ा बमुश्किल 1500 पार हो पाया है। एमसीडी की इस कछुआ चाल से 50 हजार अगर पीजी को सर्वे में शामिल करना है तो जनवरी 2027 तक का समय लगेगा क्योंकि 1523 पीजी का सर्वे चार दिन में हो पाया है। 50 हजार पीजी के सर्वे में लगेंगे 131 दिन ऐसे में औसतन 380 पीजी का सर्वे एक दिन में शामिल हो रहे हैं। प्रतिदिन 380 पीजी भी सर्वे में शामिल होते हैं तो 50 हजार पीजी का सर्वे करने में 131 दिन लगेंगे। वहीं, दिल्ली की चौथी मंजिल से अतिरिक्त की इमारतों को गिराने में तीन से चार साल का समय लगेगा। क्योकि पांच से सात लाख इमारतें ऐसी है। अकेले दक्षिणी दिल्ली ओखला और तेहखंड जैसे इलाके में ऐसी इमारतों की संख्या ही हजारों में हैं।

नशा तस्करों की कमाई अब जनता की होगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नूरपुर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना की, नशा माफिया के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना राज्य सरकार की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नशे के कारोबार से करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों को अब अपनी आय का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचकर आलीशान कोठियां, होटल और दुकानें बनाई गई हैं। जमीन और महंगी गाड़ियां खरीदी गई। उन्होंने कहा कि यह पैसा और सम्पत्ति गरीबों और उन परिवारों की है जिनके बच्चे नशे के जाल में फंसाए गए हैं। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और लगभग 3.27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के लिए नूरपुर पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ निर्णायक जंग जारी है और नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नशा तस्करों की कमाई का हर रुपया अब जनता का होगा। उन्होंने कहा कि नशे की कमाई से बनाई गई संपत्ति वास्तव में उन परिवारों की कीमत पर अर्जित होती है, जिनके बच्चे इस गंभीर सामाजिक बुराई का शिकार हो जाते हैं। नूरपुर में जब्त की गई संपत्तियों में आलीशान कोठी, भूमि, होटल, दुकानें, वाहन और बैंक खाते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नशा माफिया के लिए स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश में उनके लिए कोई स्थान नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। सरकार का लक्ष्य नशे के पूरे नेटवर्क, उसकी आर्थिक व्यवस्था और उससे अर्जित अवैध संपत्ति को पूरी तरह ध्वस्त करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस दिशा में पूरी स्वतंत्रता दी गई है तथा उन्हें राज्य सरकार द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

पुलिस जिला नूरपुर में अब तक 17 मामलों में 29.95 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। यह नशा माफिया के विरुद्ध प्रदेश सरकार की सख्त नीति और पुलिस की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवभूमि है और इसे नशे की गिरफ्त में फंसाने के प्रयासों को सफल नहीं होने दिया जाएगा। राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए नशे के कारोबार से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति और पूरे नेटवर्क के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद पीआईटी-एनडीपीएस कानून को लागू कर आदतन अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई है और उन्हें सलाखों के पीछे भेजा गया है। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि नशे के कारोबार से संबंधित किसी भी सूचना को पुलिस के साथ साझा करें, ताकि समाज को इस गंभीर बुराई से मुक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर तक नशा माफिया की मैपिंग की गई है और नशे तस्करी के कारोबार से जुड़े लोगों तथा उनके नेटवर्क के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ लड़ाई को प्रतिबद्धता के साथ जारी रखेगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

सोलन। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज सोलन ज़िला के सभी न्यायालयों में किया गया। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन के सचिव प्रशांत सिह नेगी ने दी। प्रशांत सिंह नेगी ने कहा कि ज़िला सोलन के उपमण्डल नालागढ़, कसौली, अर्की, कण्डाघाट तथा सोलन मुख्यालय में 15 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि सितम्बर माह में प्रीं लोक अदालत सीटिंगस भी करवाई गई। इन लोक अदालतों का आयोजन ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोलन शरद कुमार लगवाल की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर कुल 12275 मामलों को सुनवाई के लिए प्रीं लोक अदालत सीटिंगस एवं लोक अदालत की विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया। इनमें से 9946 मामलों का निपटारा विभिन्न पक्षों की आपसी सहमति से किया गया। इन मामलों में कुल समझौता राशि 10,40,57,262 रुपए रही। उन्होंने कहा कि इन मामलों में 10859 मोटर वाहन चलानों को भी विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया। इसमें से कुल 9065 मामलों का निपटारा किया गया।

खेलों से बच्चों में टीम भावना और भाईचारा बढ़ता है: केवल सिंह पठानिया

शाहपुर, । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुर्गेला में शाहपुर जोन की तीन दिवसीय अंडर-19 खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में शाहपुर जोन के 22 स्कूलों के 357 छात्र भाग ले रहे हैं।

इस दौरान खिलाड़ी वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी और शतरंज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

अपने संबोधन में केवल सिंह पठानिया ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। खेल बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए चंबी खेल मैदान को विकसित किया जा रहा है, जिस पर करीब 4 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पठानिया ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुर्गेला में दो शौचालयों के निर्माण तथा प्राथमिक विद्यालय के लिए 3 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और प्रतियोगिता के आयोजन संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

हिमालय संरक्षण को जन आंदोलन बनाकर राष्ट्र निर्माण से जोड़ना होगा-राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

कहा, हिमालय हमारी पहचान और विरासत

पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकास हमारी जिम्मेदारी-राज्यपाल

हिमालय परिवार व केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

धर्मशाला, । हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि हिमालय केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और प्राकृतिक जीवन-व्यवस्था का आधार है। हिमालय हमारी पहचान, विरासत और जिम्मेदारी है। इसके संरक्षण को केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित न रखकर जन आंदोलन का स्वरूप देना होगा, तभी हिमालय संरक्षण के साथ राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

राज्यपाल शनिवार को धर्मशाला में हिमालय परिवार, हिमाचल प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ÷हिमालय संरक्षण से राष्ट्र निर्माण की ओर÷ विषयक एक दिवसीय अभिमुखीकरण एवं भावी रणनीति संगोष्ठी तथा पुस्तक विमोचन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिमालय से निकलने वाली नदियां देश के विशाल भू-भाग को जीवन प्रदान करती हैं। यहां की जैव विविधता, पारंपरिक ज्ञान, लोक संस्कृति और प्राकृतिक संसाधन अमूल्य धरोहर हैं। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, जलस्रोतों का संकट, वनाग्नि, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाएं हिमालय की संवेदनशीलता की गंभीर चेतावनी दे रही हैं। ऐसे में विकास और पर्यावरण के बीच संघर्ष के बजाय दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना समय की आवश्यकता है। राज्यपाल ने हाल में नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को समझते हुए वैज्ञानिक अध्ययन, समयबद्ध पूर्व चेतावनी प्रणाली, आपदा प्रबंधन की तैयारी तथा स्थानीय समुदायों के प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील विकास की दिशा में सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल में आई आपदा से प्रभावित परिवारों के प्रति सभी की संवेदनाएं हैं। ऐसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि हिमालय का संरक्षण केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, क्षेत्रीय सुरक्षा और संपूर्ण समाज के भविष्य से जुड़ा विषय है। कविंद्र गुप्ता ने कहा कि यदि कोई युवा एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करता है, कोई गांव अपने जलस्रोत को पुनर्जीवित करता है, नागरिक प्रदूषण रोकने में सहयोग करते हैं अथवा समुदाय अपनी लोक संस्कृति और विरासत को सुरक्षित रखते हैं, तो ऐसे छोटे-छोटे प्रयास मिलकर हिमालय संरक्षण और राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकते हैं।

प्रदेश के युवाओं को जापान की तकनीकी दक्षता, कौशल विकास और नवाचार से जोड़ने की अपार संभावनाए: राजेश धर्माणी

शिमला। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने जापान के टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में उप-मिशन प्रमुख आर. मधु सूदन से भेंट की।

इस दौरान प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों, विशेष रूप से राज्य के विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए जापान में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा वैश्विक अवसरों की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई। आर. मधु सूदन ने हिमाचल से जुड़े विषयों के संदर्भ में भारतीय दूतावास की भूमिका एवं कार्य प्रणाली की जानकारी भी दी।

राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को जापान की तकनीकी दक्षता, कौशल विकास और नवाचार से जोड़ने की अपार संभावनाएं हैं। इससे विद्यार्थियों एवं युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में एआई सहित नई प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एआई में क्षमताओं को बढ़ाने और विश्वसनीय और लचीले डिजिटल अवसंरचना के निर्माण में जापान उल्लेखनीय सहयोग प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के समावेशी विकास से नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुलेंगे।

बैठक में हिमाचल प्रदेश के पर्यटन को जापान में बढ़ावा देने के विषय पर भी विशेष रूप से चर्चा हुई। राजेश धर्माणी ने कहा कि हिमाचल अपने नैसर्गिक सौन्दर्य, समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और शांत वातावरण के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। धर्मशाला में परम पावन दलाई लामा की उपस्थिति ने प्रदेश को वैश्विक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि जापान में हिमाचल प्रदेश की पर्यटन क्षमता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर अधिक से अधिक जापानी पर्यटकों को हिमाचल की ओर आकर्षित करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

राजेश धर्माणी ने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों और समृद्ध पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। हिमाचल प्रदेश अपने बौद्ध एवं अध्यात्मिक विरासत स्थलों के लिए विश्व प्रसिद्ध है और इन स्थलों को जापानी पर्यटकों के मध्य बढ़ावा देने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार प्रतिबद्धता के साथ बेहतर पर्यटन व्यवस्था प्रणाली विकसित कर रही है, जिससे भारत और जापान के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ेगा।

राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य हिमाचल के युवाओं, शिक्षा, कौशल और पर्यटन की संभावनाओं को वैश्विक मंच से जोड़ना है ताकि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, प्रशिक्षण एवं विकास के नए अवसर सृजित हो सकें।

इस दौरान ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास में जापानी कार्य-पद्धतियों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल प्रदेश में प्रस्तावित स्किल अकादमी जैसी पहलों में जापानी उद्योगों एवं संस्थानों की भागीदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

आर. मधुसूदन ने भारत और जापान के विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग एवं संपर्क स्थापित करने में भारतीय दूतावास की भूमिका के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रतिनिधिमंडल ने उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैठक में हुई चर्चा को संबंधित जापानी संस्थानों एवं संगठनों के साथ आगे बढ़ाया जाएगा ताकि कौशल विकास, प्रौद्योगिकी एवं रोजगार के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग स्थापित किया जा सके।

2005 में की 20 रुपये की थी बेईमानी, अब नौकरी की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी। डीटीसी के एक कंडक्टर को टिकट बिक्री के दौरान 20 रुपये की बेईमानी की कीमत अपनी नौकरी खोकर चुकानी पड़ी। साल 2005 में हुई घटना के बाद नौकरी की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट ने 2026 में मुहर लगा दी। हाईकोर्ट ने डीटीसी के कंडक्टर सुखपाल सिंह की बर्खास्तगी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने मौखिक आदेश में कहा कि जांच प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं हुआ और श्रम न्यायालय के फैसले में कोई मनमानी या विकृति नहीं दिखाई देती। याचिकाकर्ता सुखपाल सिंह 1998 में डीटीसी में रिटेनर क्रू कंडक्टर के रूप में नियुक्त हुए थे।

नेशनल लोक अदालत में हजारों पक्षकार हुए लाभान्वित, 2 करोड़ 94 लाख 93 हजार 179 रूपये का अवार्ड पारित

आपसी समझौते से हुआ कई मामलों का निराकरण

सूरजपुर,एजेंसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय सूरजपुर में वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत का सुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर थॉमस एक्का द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण, बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग सहित विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस नेशनल लोक अदालत का आयोजन केवल जिला एवं सत्र न्यायालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कुटुंब न्यायालय, तालुका न्यायालय तथा जिले के समस्त राजस्व न्यायालयों को भी इसमें शामिल किया गया। लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्याय की प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाते हुए प्री-लिटिगेशन तथा न्यायालयों में वर्षों से लंबित मामलों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समझौते के आधार पर निराकरण करना रहा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का द्वारा इस दौरान विभिन्न खंडपीठों एवं संबंधित विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, सदस्य के रूप में नियुक्त अधिवक्ताओं से पक्षकारों को आपसी समझौते के लिए प्रेरित करने तथा प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु प्रभावी प्रयास करने की अपील की गई। प्री-लिटिगेशन प्रकरणों से संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी अधिक से अधिक मामलों के निराकरण के लिए सार्थक प्रयास करने तथा नियमानुसार उपलब्ध छुट एवं लाभ का पक्षकारों को लाभ देते हुए प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। आम जनता एवं पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में कुल 33 खंडपीठों का गठन किया गया था। इन खंडपीठों में सिविल वाद, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, वर्षों से लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक एवं राजस्व मामले तथा बैंक से संबंधित लेन-देन, बिजली, टेलीफोन सेवा एवं पानी के बकाया बिलों से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों की सुनवाई की गई। खंडपीठों द्वारा मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ समझते हुए दोनो पक्षों के मध्य सौहार्दपूर्ण समाधान स्थापित कर बड़ी संख्या में प्रकरणों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। आज का दिन उन परिवारों के लिए भावुक और राहत भरा रहा, जिन्होने सड़क दुर्घटनाओं में अपने अपनों को खो दिया था। प्रियजनों के चले जाने के बाद इन परिवारों ने न केवल उस असहनीय पीडा को सहा, बल्कि अपने हक की क्षतिपूर्ति के लिए लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया का सामना भी किया। आर्थिक रूप से कमजोर इन परिवारों के लिए वर्षों से चल रही यह कानूनी लड़ाई अपने आप में एक बड़ी चुनौती थी। खंडपीठ क्रमांक-1 में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण क्रमांक 155/2025 का चार लाख तथा प्रकरण क्रमांक 166/2025 का अठारह लाख पचास हजार में आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। इसी प्रकार खंडपीठ क्रमांक 5 में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण क्रमांक 144/2024 का बीस लाख में तथा खंडपीठ क्रमांक 6 में प्रकरण क्रमांक 86/2025 का पांच लाख पचास हजार में आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। वहीं, और भी मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का इस लोक अदालत में निराकरण हुआ। इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष थॉमस एक्का के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन को जाता है। उनके मार्गदर्शन में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पैरालीगल वालंटियर्स, न्यायिक कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से नेशनल लोक अदालत को सफल बनाया गया। आज के नेशनल लोक अदालत में समस्त न्यायालयों से 2804 लंबित प्रकरण एवं 106312 प्री-लिटिगेशन प्रकरण विचारार्थ में रखे गये थे। जिसमें कुल 89907 प्रकरण के पक्षकारों में आपसी समझौते के आधार पर सफलता पूर्वक निराकरण कर कुल 29493179/- रूपये का जिला सूरजपुर द्वारा अवार्ड पारित किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर में 52.41 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

बिलासपुर, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के रामा वैली में आयोजित कार्यक्रम में 52.41 करोड़ रुपए के विभिन्न सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 40.79 करोड़ रुपए की लागत से पेंड्रीडीह चौक से नेहरू चौक तक 15.37 किलोमीटर सड़क का मजबूतीकरण, 8.39 करोड़ रुपए की लागत से हथनी–नवागांव–गोड़ी–उड़गन मार्ग के 5.75 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा बोदरी में 3.23 करोड़ रुपए की लागत से नवीन विश्राम गृह का निर्माण शामिल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक धरमलाल कौशिक ने की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस अवसर पर कहा कि इन सड़क विकास कार्यों के पूर्ण होने से हाई कोर्ट सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आने–जाने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी और यातायात सुगम होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सड़क अधोसंरचना के विकास को प्राथमिकता दे रही है। पिछले ढाई वर्षों में अकेले बिलासपुर जिले में 1000 करोड़ रुपए से अधिक के सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसी तरह बिलासपुर संभाग में लगभग 3500 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्य मंजूर किए गए हैं। बारिश के बाद इन सभी कार्यों में तेजी आएगी। साव ने विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों को स्वीकृत कार्यों को समय पर प्रारंभ करने की आवश्यक तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण के लिए 12 हजार 666 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में एक वर्ष में इतनी बड़ी संख्या में सड़क विकास कार्यों को स्वीकृति मिलना अभूतपूर्व है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित एक-एक गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरा कर रही है। गांव से लेकर शहर तक तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। केंद्र सरकार से भी प्रदेश के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं में भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का कलंक छत्तीसगढ़ से मिट गया है और प्रदेश में निवेश एवं उद्योग स्थापित करने के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे हैं। युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है, ताकि युवा नौकरी तलाशने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले भी बनें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक धरमलाल कौशिक ने अपने विधानसभा क्षेत्र में लगभग 400 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अच्छी और गुणवत्तापूर्ण सड़कों का होना बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सड़क अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास के लिए भी सरकार द्वारा पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवनी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक मजबूती, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

कोरबा,एजेंसी। गाँव की सड़क किनारे सुबह से शाम तक मेहनत कर उड़द दाल के बड़े बेचने वाली ज्योति यादव के लिए एक हजार रुपये की अहमियत वही समझ सकता है, जिसने एक–एक रुपये जोड़ने के लिए पसीना बहाया हो। दाल खरीदने से लेकर उसकी सफाई, भिगोने, पीसने और फिर गरमा–गरम बड़े तैयार करने तक ज्योति की दिनचर्या कठिन मेहनत से भरी है। कई बार पूरे दिन मेहनत करने के बाद भी दो–तीन सौ रुपये की ही कमाई हो पाती है। ऐसे में हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनके लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है।

कोरबा विकासखंड के ग्राम पंचायत अजगरबहार में सड़क किनारे छोटा सा नाश्ते का होटल संचालित करने वाली ज्योति यादव पिछले एक दशक से अधिक समय से उड़द दाल के बड़े बनाकर अपने परिवार की आजीविका में सहयोग कर रही हैं। बड़े सिलबट्टे पर दाल पीसकर तैयार किए गए उनके स्वादिष्ट बड़े और मिर्ची–इमली की चटनी राहगीरों को खूब पसंद आती है। सीमित आवागमन वाले इस मार्ग पर कई बार ग्राहक कम मिलते हैं, जिससे आमदनी भी प्रभावित होती है। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ज्योति के परिवार के लिए सहारा बनती है।

ज्योति बताती हैं कि एक हजार रुपये कमाने के लिए उन्हें कई घंटे मेहनत करनी पड़ती है, इसलिए वह महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का महत्व अच्छी तरह समझती हैं। वह इस पैसे को अनावश्यक खर्च करने के बजाय घर की जरूरी जरूरतों को पूरा करने में उपयोग करती हैं। कई बार होटल से कम आमदनी होने पर यही राशि घर के जरूरी सामान और अन्य आवश्यक खर्चों में काम आती है। ज्योति कहती हैं कि उनके जैसे मेहनतकश परिवारों के लिए नियमित आर्थिक सहायता बहुत मायने रखती है। महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली राशि ने उन्हें आर्थिक रूप से संबल दिया है और जरूरत के समय परिवार का सहारा बनी है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए शुरू की गई यह योजना उनके जीवन में भरोसा और मजबूती लेकर आई है।

ज्योति के लिए यह सहायता केवल एक हजार रुपये नहीं, बल्कि उनकी मेहनत की कीमत और परिवार के लिए एक अतिरिक्त सहारे का एहसास है। अब सेवा संकल्प अभियान के दौरान उनके द्वारा दीप प्रज्वलित किया जाएगा। यह दीप केवल एक औपचारिक शुरुआत का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि उन महिलाओं की उम्मीद, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का संदेश भी देगा, जो अपने श्रम और संघर्ष से परिवार को आगे बढ़ाने में निरंतर योगदान दे रही हैं। ज्योति कहती हैं कि उन्हें खुशी है कि सरकार ने महिलाओं की जरूरतों को समझते हुए उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठाया है। वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महतारी वंदन योजना जैसी पहल महिलाओं के जीवन में छोटी–छोटी जरूरतों को पूरा करने की बड़ी ताकत बन रही है।

सीतामढ़ी में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 9 वाहन जब्त

कोरबा,एजेंसी। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हसदेव नदी के सीतामढ़ी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों पर खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा कार्रवाई की गई। खनिज उड़नदस्ता दल ने शुक्रवार को सुबह लगभग 5.30 बजे सीतामढ़ी क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान हसदेव नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए 9 वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ वाहन नदी में फंसे हुए थे, जबकि कुछ वाहनों को संबंधित लोग मौके पर छोड़कर फरार हो गए। नगर पालिक निगम कोरबा की मदद से नदी में फंसे वाहनों को बाहर निकाला गया।

जब्त वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना कोरबा एवं खनिज जांच चौकी उरगा की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रकरणों में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक खनिज संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासन के राजस्व की हानि को रोकना विभाग की प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन कर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम सहित अन्य प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देश पर सड़कों के मरम्मत कार्य में तेजी

राजनांदगांव,एजेंसी। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले में सड़कों की स्थिति में सुधार लाने तथा नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सड़कों के मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य में तेजी लाई गई है। जिले के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का सतत निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों का चिन्हांकन किया जा रहा है तथा प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इसी कड़ी में नेशनल हाईवे मार्ग सुंदरा से ग्राम सुंदरा बस्ती तक, ग्राम सोमनी से परमालकसा-ठेकवा मार्ग तथा ग्राम देवादा से ग्राम टेडेसरा तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों में आवश्यक मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य कराया गया है। सड़कों पर बने गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत से इन मार्गों पर आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम एवं सुरक्षित हुआ है। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले की सड़कों का नियमित निरीक्षण किया जाए और जहां कहीं भी सड़क क्षतिग्रस्त पाई जाती है, वहां प्राथमिकता के साथ मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य कराया जाए। उन्होंने सड़क मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों को जोडने़ वाले ये मार्ग आम नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों एवं वाहन चालकों के लिए आवागमन के महत्वपूर्ण साधन हैं। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत होने से ग्रामीणों एवं अन्य राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जर्जर पानी टंकी को हटाया गया

राजनांदगांव,एजेंसी। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंघोला में पुरानी आरसीसी उच्च स्तरीय अत्यंत जर्जर पानी टंकी को आज सुरक्षित एवं सुरक्षात्मक तरीके से हटाने की कार्रवाई की गई। ग्रामवासियों द्वारा जर्जर पानी टंकी को हटाने के संबंध में प्रशासन को सूचना दी गई थी। ग्रामीणों की सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। पानी टंकी को तोडने़ से पूर्व ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी गई तथा सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक सावधानियां बरती गईं। इसके बाद जर्जर पानी टंकी को सुरक्षित तरीके से तोड़कर हटाया गया। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। कलेक्टर ने जर्जर एवं अनुपयोगी संरचनाओं के संबंध में प्राप्त सूचनाओं पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

नेशनल लोक अदालत में लगभग 577584 मामले निराकृत

कोरबा,एजेंसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान, छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष नीता यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के निर्देशन में नेशनल लोक अदालत का 12 सितम्बर 2026 को वर्चुअल और भौतिक उपस्थिति मोड में आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ नीता यादव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोरबा द्वारा किया गया। जिसमें समस्त न्यायाधीशगण, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा, लीगल एड डिफेंस कौंसिल कोरबा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, पैरालीगल वालंटियर्स व आमजन/पक्षकार उपस्थित रहे। इसमें सर्वोच्च न्यायालय से लेकर जिला/तहसील स्तर एवं समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय कोरबा एवं तालुका विधिक सेवा समितियों-कटघोरा, करतला एवं पाली में लंबित, दांडिक, सिविल, मोटर दुर्घटना, राजस्व न्यायालयो के प्रकरण एवं प्री-लिटिगेशन के 572560 प्रकरणों को निराकरण के लिये चिन्हित किया गया है। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीता यादव, के नेतृत्व में लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत आयोजित करने के लिए कुल 49 खंडपीठों का गठन किया गया था। इस लोक अदालत में 577584 मामलों का सफलतापूर्वक निराकृत किया गया। निपटान किए गए मामलों में कुल 577584 मामले प्री-लिटिगेशन चरण के थे और 5931 मामले ऐसे थे जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित थे, जिसमें 5024 का निराकरण किया गया। राजस्व 25497 प्रकरण का निराकरण किया गया। उपरोक्त नेशनल लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले अर्थात् चेक से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद के मामले, श्रम विवाद के मामले, बैंक ऋण वसूली वाद, रूपया वसूली वाद, विद्युत बिल एवं टेलीफोन बिल के मामले, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, राजस्व न्यायालय के मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य वाद आदि से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई।

नेशनल लोक अदालत के अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल लगाकर हितग्राहियों को सामग्री वितरित की गई 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर कोरबा में महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ विभाग के कैम्प, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का हेल्प डेस्क व अन्य विभागों के स्टॉल लगाये गये थे। इस अवसर पर नीता यादव प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोरबा, गरिमा शर्मा, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश, कोरबा, ममता भोजवानी द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कोरबा, सुनील कुमार नन्दे, तृतीय अपर जिला न्यायाधीश, अविनाश तिवारी श्रम न्यायाधीश कोरबा, सीमा प्रताप चन्द्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.),कोरबा, कु0 मयूरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा, सत्यानंद प्रसाद, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. डॉली ध्रुव, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, सोनी तिवारी प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. कुमुदिनी गर्ग, कु0 तृप्ति राघव, व्यवहार न्यायालय वर्ग-02 एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी कोरबा, कु0 ग्रेसि सिंह, व्यवहार न्यायालय वर्ग-02 एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी कोरबा, कु0 डिम्पल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा एवं गणेश कुलदीप, अध्यक्ष, सचिव सुनील यादव, जिला अधिवक्ता संघ व अधिवक्तागण कोरबा में लोक अदालत शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिला आयुष विभाग द्वारा लोक अदालत में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित कर न्यायालयीन कर्मचारियों, पक्षकार एवं अधिवक्ताओं सहित 203 मरीजों का निःशुल्क उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क आयुर्वेद दवाईयों का वितरण किया गया, जिसमें हृदय रोग, उदर रोग, प्रतिश्याय (सर्दी), खांसी, वातरोग, मधुमेह, अर्श का निःशुल्क औषधी वितरण किया। उपस्थित डॉ0 डी.एस. गोयल, डॉ. गौतम प्रसाद नेताम, डॉ. राजश्री ज्योति थवाईत, मनीषा फूलझेले, विजेन्द्र टंडन सी का शिविर में विशेष योगदान रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्प डेस्क से पक्षकारों को संबंधित न्यायालयों में पहुंचाने की सहायता की गई। वन विभाग कोरबा द्वारा लोक अदालत के अवसर पर पौधे प्रदत्त किये गये जिसे लोक अदालत में पक्षकारों के मामले निराकृत होने पर पक्षकारों को न्यायालय में न्यायधीशगण द्वारा भेंट स्वरूप पौधा वितरण किया गया। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, बैंक के अधिकारियों व अन्य विभागों के द्वारा सहयोग व सामंजस्य से नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया।

प्रकृति का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी : मंत्री राजेश अग्रवाल

अम्बिकापुर,एजेंसी। संरक्षण और हरियाली संवर्धन के संदेश के साथ आज कुंवरपुर, लखनपुर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने कार्यक्रम में पौधरोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी ओर से एक अनमोल उपहार है। पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। हमें पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प लेना होगा। जब जनभागीदारी के साथ हर व्यक्ति अपने आसपास हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगा, तभी हम एक स्वच्छ, सुंदर और संतुलित पर्यावरण का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा और बदलता पर्यावरणीय स्वरूप हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और गंभीरता से समझने का संदेश दे रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनका संरक्षण करना समय की आवश्यकता है।

पौधरोपण के साथ संरक्षण का भी लें संकल्प :

मंत्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक पौधे को वृक्ष बनने में कई वर्ष लगते हैं, इसलिए उसकी सुरक्षा और देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पौधरोपण करना। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पौधों की संख्या बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसे वृक्ष तैयार करना होना चाहिए जो आने वाले वर्षों में समाज को स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर पर्यावरण प्रदान करें। हर परिवार यदि कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी जिम्मेदारी लेने का संकल्प करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

पाकिस्तान का शर्मनाक रिकॉर्ड: विदेश में पिछले 12 टेस्ट में जीता महज एक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का 0-3 से सफाया सिर्फ एक और सीरीज हार नहीं है। इस हार ने टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की लगातार बिगड़ती स्थिति की कई परतें खोल दी हैं। घर से बाहर टीम की हालत इतनी खराब है कि पिछले 12 टेस्ट में उसे सिर्फ एक जीत मिली है। इंग्लैंड में मिली इस हार के साथ पाकिस्तान ने पिछले चार साल में तीन या उससे ज्यादा मैचों वाली 12 टेस्ट सीरीज में छठी बार क्लीन स्वीप झेला है, लेकिन कहानी सिर्फ इन आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इस सीरीज में बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और साझेदारियों तक ऐसे कई रिकॉर्ड बने, जिन्होंने पाकिस्तान के संकट की तस्वीर और साफ कर दी।

1. चार साल में छठी बार पाकिस्तान का सफाया

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इससे पहले 2022 में पाकिस्तान में खेली गई तीन मैचों की सीरीज में भी इंग्लैंड ने उसका सफाया किया था। पाकिस्तान पिछले चार वर्षों में दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में छह बार क्लीन स्वीप हो चुका है। यानी पिछली 12 ऐसी टेस्ट सीरीज में आधी बार पाकिस्तान का पूरी तरह सफाया हुआ है।

2. विदेश में 12 टेस्ट में सिर्फ एक जीत

पाकिस्तान का विदेशी जमीन पर खराब प्रदर्शन भी चिंता बढ़ाने वाला है। पिछले 12 विदेशी टेस्ट मैचों में टीम को सिर्फ एक जीत मिली है, जबकि उसे 11 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। यह रिकॉर्ड बताता है कि पाकिस्तान के लिए घर से बाहर टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

3. आठ टेस्ट सीरीज में नहीं लगा एक भी शतक

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा सका। यह पाकिस्तान की उस खराब बल्लेबाजी की तस्वीर है, जो लंबे समय से टीम की परेशानी बनी हुई है। कुल मिलाकर आठ ऐसी टेस्ट सीरीज हो चुकी हैं जिनमें कोई व्यक्तिगत शतक नहीं लगा। इंग्लैंड में ऐसा सिर्फ एक और बार हुआ था- 1888 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में।

4. बिना शतक वाली सीरीज में 20 अर्धशतक

दिलचस्प बात यह है कि शतक नहीं लगने के बावजूद इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक बने। बिना किसी शतक वाली टेस्ट सीरीज में यह सबसे ज्यादा अर्धशतकों का रिकॉर्ड है। बर्मिंघम टेस्ट में ही 11 अर्धशतक लगे, जो किसी टेस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा हैं।

5. ओली रॉबिन्सन का गेंदबाजी औसत 8.76

इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने इस सीरीज में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 8.76 के औसत से छठा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत दर्ज किया। उनसे बेहतर औसत रखने वाले सभी पांच गेंदबाज इंग्लैंड के ही रहे हैं। इनमें सबसे हालिया नाम टोनी लॉक का है, जिन्होंने 1958 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.47 के औसत से 34 विकेट लिए थे।

6. शुरुआती दो विकेटों की साझेदारी सिर्फ 4.66

पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी में सबसे बड़ी चिंता उसकी शुरुआत रही। सीरीज की छह पारियों में टीम के पहले दो विकेटों के लिए कुल 56 रन ही बने। इस तरह पहले दो विकेटों की साझेदारी का औसत सिर्फ 4.66 रहा, जो कम से कम पांच पारियों वाली किसी टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम का सबसे खराब औसत है।

7. जो रूट के लिए घरेलू सीजन में फिर शतक का सूखा

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट 2026 में घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक शतक नहीं लगा सके हैं। यह तीसरा घरेलू टेस्ट सीजन है जब रूट के नाम एक भी शतक नहीं है। इससे पहले 2019 और 2020 में भी वह घरेलू टेस्ट सीजन में शतक नहीं लगा पाए थे। 2026 में रूट ने छह टेस्ट में 33.50 के औसत से रन बनाए हैं। यह किसी कैलेंडर वर्ष में उनका दूसरा सबसे कम औसत है। उनका सबसे खराब औसत 2019 में 29.83 रहा था।

8. रूट को आठ बार एल्बीडब्ल्यू किया गया

2026 के टेस्ट सीजन में रूट 11 पारियों में आठ बार एलबीडब्ल्यू आउट हुए हैं। किसी टेस्ट सीजन में किसी बल्लेबाज के लिए एलबीडब्ल्यू आउट होने का यह सबसे ज्यादा आंकड़ा है।पाकिस्तान के रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट डेब्यू की दूसरी पारी में नौ छक्के लगाए। किसी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट डेब्यू की पारी में लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के मामले में यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी की बराबरी की, जिन्होंने 2008 में नेपियर में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में नौ छक्के लगाए थे।

हॉकी टीम को 3 लाख का कैश प्राइज

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन – भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

- **जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची** – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।
- **युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच** – दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।
- **हेड कोच की तलाश जारी** – बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

- इंटर मियामी को 2-2 पर रोका

बार्सिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए – नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन – इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर – इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन – नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

अलीरेजा ने किया बड़ा धमाका, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को हराया

बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात – टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

टूर्नामेंट के 10वें दिन विश्वनाथन आनंद की अलास्कन नाइट्स और त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अलास्कन नाइट्स ने अपने आखिरी मैच में टेबल-टॉपर गंगेज ग्रैंडमास्टर्स को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा – रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा – पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी – दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुई रायबकिना – निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम – रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

कतर क्लासिक स्क्वॉश: अनाहत सिंह ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी** – मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला** – पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें** – पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा – अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं।

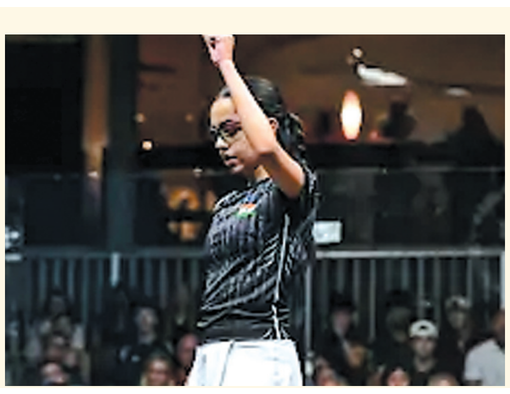

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

- **कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया**
- **सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक**

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी – 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला – कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

9 साल बाद इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश चतुर्थी का पर्व भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से मनाया जाता है। इस दिन घर में गणेशजी की स्थापना की जाती है और अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा की जाती है।
गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन घर घर गणपति की स्थापना की जाती है। उनकी विधि विधान से पूजा की जाती है। गणेश स्थापना के साथ गणेश विसर्जन के साथ ही उत्सव का समापन होता है। गणेश चतुर्थी का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि, इस दिन गणेशजी का प्राकट्य हुआ था। इसलिए यह दिन गणेश जन्मोत्सव के रुप में मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी से लेकर अगले 10 दिन तक उत्सव चलता है।
गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

12 दिनों के गणेशोत्सव

गणेश स्थापना (शुरुआत): 14 सितंबर 2026 (सोमवार, भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी)
अनंत चतुर्दशी (विसर्जन): 25 सितंबर 2026 (शुक्रवार)
कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

इस बार का गणेश उत्सव क्यों खास है

9 साल बाद दुर्लभ संयोग: 12 दिनों का इतना लंबा गणेशोत्सव पिछली बार वर्ष 2017 में पड़ा था, जिसके बाद यह शुभ योग अब 2026 में आया है। भक्तों की **सेवा का अधिक अवसर:** मान्यता के अनुसार, बप्पा का इतने लंबे समय तक घर और पंडालों में विराजमान रहना अत्यंत फलदायी होता है। श्रद्धालुओं को गणपति बाप्पा की भक्ति, सेवा और आराधना के लिए 2 दिन का अतिरिक्त समय मिल रहा है।
गौरी-गणपति पूजा का विशेष तालमेल: गणेशोत्सव के दौरान महालक्ष्मी/गौरी पूजन और गणपति स्थापना के बीच तिथियों का संतुलन बहुत शुभ माना जा रहा है।

इन उपायों से प्रसन्न होते है विघ्नहर्ता गणेश जी, पूरी करते हैं सभी मनोकामना

हिंदू संस्कृति और किसी भी तरह की पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। किसी भी शुभ काम या पूजा को शुरू करने के लिए सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। देवता भी अपने कार्यों को बिना किसी विघ्न के पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं। मान्यता के अनुसार गणेश जी की पूजा न केवल आपके कार्यों में आ रही अड़चनों को हटाती है, बल्कि आपकी हर मनोकामना को भी पूरी करती है।

हम सभी के मन में कई सारी इच्छाएं होती हैं। इनमें से कुछ पूरी हो जाती हैं जबकि कुछ अधूरी ही रह जाती हैं। ऐसे में अपनी अधूरी इच्छा को पूरा करने के लिए आप गणेशजी के चरणों में जा सकती हैं। जी हां विघ्नहर्ता गणेशजी को हमारे भाग्य विधाता भी हैं। इसलिए अगर आपकी खोई ख्वाहिश अधूरी है और उसे पूरा करना चाहती हैं तो गणेशजी आपकी हेल्प कर सकते हैं। अपनी मनोकामना को पूरा करने के लिए गणेश जी को कैसे प्रसन्न किया जाए। आइए आप भी हमारे साथ विघ्नहर्ता गणेश जी को प्रसन्न करने के टिप्स के बारे में जानें।

दूर्वा

गणेश जी को खुश करने का सबसे सस्ता और आसान उपाय दूर्वा अर्पित करना है। दूर्वा गणेश जी को इसलिए प्रिय है क्योंकि दूर्वा में अमृत मौजूद होता है। गणपति अथर्वशीर्ष में कहा गया गया है कि जो व्यक्ति गणेश जी की पूजा दुर्वांकुर से करता है वो कुबेर के समान हो जाता है। गणेश जी को कम से कम 21 दूब, 2 शमी और 2 बेल पत्र चढ़ाया जाता है। तुलसी जी गणेश जी को नहीं चढ़ाई जाती हैं।

मां बाप की सेवा

विघ्नहर्ता गणेश जी को खुश करने का सबसे अच्छा रास्ता मां-बाप की सेवा करना है। गणेश जी उसे ही अपनी भक्ति प्रदान करते हैं जो अपने माता-पिताजी और सास-ससुरजी की सेवा करता है। बुजुर्गों का सम्मान करता है। तीर्थयात्रा आदि हेल्दी रहने पर माता-पिताजी और सास-ससुर जी के साथ ही करता है। इसके अलावा वृक्ष लगाने वालों से भी गणेश जी बेहद प्रसन्न होते हैं। अपने जीवनकाल में कम से कम 108 वृक्ष लगाएं और उन्हें संतान की तरह पाले, बड़ा करें। गणेश जी इन कार्यो से अति प्रसन्न होंगे।

लड्डू

गणपति बप्पा को लड्डू खाना बड़ा पसंद हैं। ये उनके प्रिय व्यंजनों में से एक हैं। अगर आपके मन में कोई भी ख्वाहिश हैं तो आप गणेश मंदिर जाकर विघ्नहर्ता को लड्डूओं को भोग लगा सकते हैं। मूंग की दाल के लडडू गणेश जी को बहुत प्रिय होते हैं। घर में ही पूजा करें तो पूजा के पूरा होने के बाद 21 में से 15 लडडू पंडित जी को दक्षिणा सहित दान कर दें। दक्षिणा नहीं दी तो श्री कथावाचक और श्री ज्योतिषी को ही आपका पुण्य प्राप्त हो जाएगा। गर्मियों में गणेश जी को मूंग के दाल के लड्डू और सर्दियों में गणेश जी को तिल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

जल अर्पित करना

सुबह गणेश जी के 12 नाम जपते हुए ही उठें। जो नासिका चल रही हो वही पैर गणेश जी कहते हुए रखें। नहाने के बाद सबसे पहले गणेश जी को जल उत्तर दिशा में अर्पित करें। जल को जल में ही अर्पित करना है। यानि आप जिस जगह जल चढ़ाएं वहां या तो कोई गमला रख दें या पहले से ही पानी को गिरा दें। इसके बाद ही पूर्व में सूर्य नारायण और दक्षिण दिशा में अपने पितरों को जल अर्पित करें।

फल

अगर आपके पास धन है तो रोज गणेश जी को कोई न कोई फल जरूर खिलाएं। और पूजा करके इसे तुरंत खा जाये, इसे खाना नहीं है। जामुन, अमरूद, बेल, आम, सेब, संतरा, मौसमी, चीकू, केला, अनार, आलुबुखारा, नारियल आदि मौसम के अनुसार फलों का भोग गणेश जी को लगाना चाहिए।

गणेश चतुर्थी के दिन कौन सा दीया जलाना होता है ज्यादा शुभ?

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गणेश जी की घर में स्थापना कर उनकी पूजा की जाती है। गणेश चतुर्थी के दिन पूजा के दौरान गणेश जी के समक्ष कौन सा दीया जलाना चाहिए और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।
गणेश जी के सामने अलसी के तेल का दीया जलाना शुभ माना जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन भी गणपति स्थापना के बाद उनके सामने अलसी के तेल का दीया प्रज्वलित करें। अलसी के तेल का संबंध मां लक्ष्मी से होता है। अलसी के तेल से किये गए उपाय धन को आकर्षित करने का काम करते हैं। गणेश जी के साथ मां लक्ष्मी की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। इसमें अगर गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के बाद उनके सामने अलसी के तेल का दीया जलाया जाए तो गणेश जी घर में अपनी कृपा के साथ मां लक्ष्मी का आशीर्वाद लेकर आते हैं। इसके अलावा, अलसी के तेल का दीया गणेश जी के सामने जलाने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और घर में मौजूद कैसा भी ग्रह या वास्तु दोष दूर होने लग जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन अलसी के तेल में अगर कलावे की बत्ती डालकर दीया जलाया जाए तो इससे घर में शुभता आती है औरशुभ कामों में आ रही बाधाएं भी दूर होने लग जाती हैं।

बप्पा की प्रतिमा को घर लाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। आइए विस्तार से जानते हैं कि पूजा से पहले किन नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण माना जाता है। गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो भगवान गणेश के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। गणेश जी को विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है और माना जाता है कि वे सभी शुभ कार्यों की शुरुआत से पहले पूजे जाने वाले पहले देवता हैं। गणेश जी को सभी प्रकार के विघ्नों को दूर करने वाले देवता माना जाता है। इसलिए, किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले उनकी पूजा की जाती है। आपको बता दें, गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग नए काम शुरू करते हैं और नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। गणेश जी को सुख-समृद्धि के देवता भी माना जाता है। इसलिए, इस दिन लोग उनके आशीर्वाद के लिए पूजा करते हैं। अब ऐसे में अगर आप बप्पा को घर लाने के बारे में सोच रहे हैं, तो किन नियमों का पालन करना जरूरी माना जाता है।

दिशा का ध्यान

भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित करने से पहले दिशा के बारे में जानने बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए अगर आप बप्पा की प्रतिमा को स्थापित करने का सोच रहे हैं, तो हमेशा ईशान कोण दिशा का ही चुनाव करें। साथ ही बप्पा का मुख हमेशा उत्तम दिशा की ओर होना चाहिए। इसके अलावा आप पश्चिम दिशा में बप्पा की प्रतिमा को स्थापित कर सकते हैं।

बप्पा की प्रतिमा का करें सही चुनाव

वास्तु शास्त्र में बप्पा की प्रतिमा को बिना मूषक के न स्थापित करें। गणेश जी की प्रतिमा लेते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उनके हाथों में मोचक और मूषक का होना बेहद महत्वपूर्ण है। बिना मूषक के पूजा अधूरी मानी जाती है।

प्रतिमा का रंग

अपनी इच्छा के अनुसार घर में आप बप्पा की किसी भी रंग की प्रतिमा लेकर आ सकत हैं। विशेष रूप से सफेद और सिंदूरी रंग की प्रतिमा घर में लाना सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसी प्रतिमा को घर में स्थापित करने से सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

गणेश चतुर्थी का महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के दिन दोपहर के समय हुआ था, इसीलिए इस तिथि और समय को अत्यंत शुभ माना जाता है। वे प्रथम पूज्य, बुद्धि के दाता और विघ्नों को हरने वाले देवता हैं। कोई भी धार्मिक कार्य, विवाह, यात्रा या नया कार्य बिना गणपति पूजन के शुरू नहीं किया जाता। इस दिन का भक्तों को सालभर इंतज़ार रहता है क्योंकि यह दिन उनके लिए उत्सव, भक्ति और आनंद से भरा होता है।

गणेश चतुर्थी से पहले जरूर खरीदें ये चीजें, मिलेंगे शुभ परिणाम

हिंदू धर्म में गणेश चतुर्थी व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। गणेश चतुर्थी को गणेशोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। बता दें, इस साल गणेश उत्सव 14 सितंबर को मनाया जाएगा। भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना गया है। सभी देवी-देवताओं से पहले बप्पा की पूजा करने का विधान है। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी से पहले किन चीजों का खरीदना शुभ माना जाता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। गणेश चतुर्थी के दौरान शंख बजाने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि लाते हैं। शंख को वास्तु दोष निवारण का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। इसे घर में सही दिशा में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वहीं गणेष चतुर्थी से पहले शंख को खरीदने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।
गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं हरे वस्त्र हरा रंग प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्धि का प्रतीक है। मान्यता है कि भगवान गणेश को हरा रंग बहुत प्रिय है। इसलिए, गणेश चतुर्थी के दौरान हरे रंग के वस्त्र पहनकर या गणेश जी को हरे रंग के वस्त्र अर्पित करके आप उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही गणेश चतुर्थी से पहले हरे रंग का वस्त्र अवश्य खरीदें।

गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं चांदी का कलश

चांदी को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। गणेश जी को धन के देवता भी माना जाता है, इसलिए चांदी का कलश लाकर घर में धन की वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, आप इस दिन चांदी का सिक्का भी खरीद सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

गणेश चतुर्थी से पहले घर लाएं इलायची

इलायची को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इलायची को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने की शक्ति मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि गणेश जी को इलायची बहुत पसंद है। इसलिए, इलायची को गणेश जी को अर्पित किया जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन एक लाल कपड़े में 5 इलायची बांधकर अपने धन रखने वाले स्थान पर रखें, इससे धन में वृद्धि होती है।

जानिए आखिर क्यों भगवान गणेश की पीठ के दर्शन नहीं करने चाहिए

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण कर देते है और अपने भक्तों पर हमेशा अपनी कृपा हमेशा बनाए रखते हैं। अगर कोई भक्त गणेश जी की पूजा अर्चना की जाए तो उनके सभी दुख भगवान गणेश जी दूर कर देते हैं, लेकिन ऐसा माना जाता है कि कभी भी भगवान गणेश की पीठ के दर्शन नहीं करने चाहिए। चलिए जानते हैं कि इसके पीछे का कारण क्या है।
गणेशजी को रिद्धि-सिद्धि का दाता माना गया है और इनकी पीठ के दर्शन करना वर्जित किया गया है। मान्यताओं के अनुसार, गणेश जी के शरीर पर जीवन और ब्रह्मांड से जुड़े अंग निवास करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, गणेश जी के शरीर के हर अंग पर ब्रह्मांड की क्रियाएं छिपी हुई होती हैं। गणेश जी के कानों पर ऋचाएं, सूंड पर धर्म विद्यमान, दाएं हाथ में वर, बाएं हाथ में अन्न, पेट में समृद्धि, आंखों में लक्ष्य, नाभि में ब्रह्मांड, पैरों में सातों लोक और मस्तक में ब्रह्मलोक विद्यमान है। गणेशजी के सामने से दर्शन करने पर उपरोक्त सभी सुख-शांति और समृद्धि प्राप्त हो जाती है लेकिन माना जाता है श्रीगणेश की पीठ पर दरिद्रता का निवास होता है। गणेशजी की पीठ के दर्शन करने वाला इंसान अगर बहुत धनवान भी हो तो उसके घर पर दरिद्रता का प्रभाव बढ़ जाता है। इसी कारण इनकी पीठ नहीं देखना चाहिए।

भगवान गणेश की पीठ का दर्शन कर ले तो क्या करना चाहिए?

अगर आपने भगवान गणेश की पीठ के दर्शन कर लिए हैं तो श्री गणेश से क्षमा याचना मांग लेना चाहिए। ऐसा करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाए। हिंदू धर्म के पुराणों के अनुसार, अगर आपका कोई भी काम रुक रहा हो या फिर आप कोई भी काम करने में असमर्थ हो तो भगवान गणेश का मात्र नाम लेने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

उत्तराखंड में 25 प्रतिशत तक महंगी हुई मूर्ति

महंगाई के बीच गणपति बप्पा का स्वागत

देहरादून, एजेंसी। गणेश महोत्सव की तैयारियों के बीच इस बार बप्पा का स्वागत महंगा पड़ रहा है। प्रतिमा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और ढुलाई की लागत बढ़ने से गणेश प्रतिमाओं के दाम 25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

पिछले वर्ष चार हजार रुपये में मिलने वाली प्रतिमा अब करीब 5200 रुपये और 13 हजार रुपये वाली प्रतिमा 16 हजार रुपये में तैयार हो रही है। वहीं, पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयोजन समितियां इस बार इको फ्रेंडली प्रतिमाओं को प्राथमिकता दे रही हैं। सोमवार को गणपति बप्पा शहर के विभिन्न पंडालों और घरों में विराजमान होंगे। वक्रतुंड, एकदंत, महोदर, गजानन, लंबोदर, विकट और विघ्नराज स्वरूप की प्रतिमाओं की मांग है। जूट के रेशे, बांस के डंडे, सुतली के दाम भी बढ़े 25 वर्षों से मिट्टी की मूर्ति बनाने वाले देवाराम के अनुसार, जूट के रेशे, बांस के डंडे, सुतली, पीओपी

और रंग के दाम भी 15 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इसके अलावा मूर्ति बनाने की मेहनत अलग है। प्रतिमाओं को पंडाल तक पहुंचाने का भाड़ा भी महंगा हुआ है। आठ फीट तक ऊंची प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। छोटी प्रतिमाएं 200 रुपये से भी शुरू है। ढाई फीट की जो प्रतिमा पहले 500 रुपये में तैयार होती थी, अब करीब 800 रुपये की पड़ रही है। सुतली की कीमत भी 108 रुपये से बढ़कर 260 रुपये किलो हो गई है, जबकि पराली की लागत करीब डेढ़ गुना बढ़ी है। मिट्टी की उपलब्धता भी चुनौती बनी हुई है। उनका कहना है कि मिट्टी की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में मूर्तिकारों के सामने कारोबार जारी रखना मुश्किल हो सकता है।

मिट्टी की प्रतिमाओं पर जोर

देहरादून दुर्गाबाड़ी में पिछले 35 वर्षों से प्रतिमा तैयार कर रहे प्रद्युत कुमार ने बताया कि इस बार ढाई से सात फीट तक की पांच प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। सभी प्रतिमाएं मिट्टी से बनाई गई हैं और इनमें पानी वाले रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। गणेश महोत्सव को लेकर देहरादून में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पंडाल रंग-विरंगी रोशनी से सज चुके हैं। रविवार देर शाम तक प्रतिमाओं को पंडालों तक पहुंचाने का सिलसिला चलेगा। सोमवार को ढोल-नगाड़ों के साथ नगर परिक्रमा के बाद पूजा-अर्चना कर बप्पा की स्थापना की जाएगी। रात को कई स्थानों पर भजन संध्या का आयोजन होगा।

चंडीगढ़ में मानसून एक बार फिर होगा एक्टिव, पांच दिन वर्षा का अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ समेत ट्राईसिटी में सितंबर का आधा महीना बीतने को है और मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। मौसम विभाग ने रविवार से अगले पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश की संभावना है। लगातार बारिश की स्थिति में निचले इलाकों और जलभराव वाले स्थानों पर परेशानी बढ़ सकती है। विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने और अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिन के दौरान बादल छाए रहने के साथ बारिश के कई दौर देखने को मिल सकते हैं। सितंबर में मानसून की विदाई की ओर बढ़ने के बावजूद इस बार बारिश का आंकड़ा सामान्य से नीचे बना हुआ है। विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में होने वाली बारिश से सामान्य और वास्तविक बारिश के बीच का अंतर कम हो सकता है। इस सीजन अब तक चंडीगढ़ में 659.3 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो सामान्य बारिश से 18.2 एमएम कम है। सितंबर के मध्य में पहुंचने के बाद भी बारिश सामान्य से नीचे रहने के कारण अगले कुछ दिन महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। यदि तेज बारिश होती है तो सीजन के वर्षा आंकड़े में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। शनिवार को दिन में गर्मी और उमस का असर रहा, जहां अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल से दिल्ली आ रहे विमान में अचानक आई खराबी, जयपुर में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल। भोपाल से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI1886 को शनिवार, 13 सितंबर को तकनीकी समस्या के चलते जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। ऐसा करने से विमान में हड़कंप मच गया। एयर इंडिया के मुताबिक, तय सुरक्षा मानकों के तहत विमान का रूट बदला गया है। विमान ने जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। एयर इंडिया ने बताया कि जयपुर पहुंचने के बाद विमान की जांच की जा रही है। यह जांच एयर इंडिया के सुरक्षा मानकों के तहत की जा रही है। एयरलाइन के मुताबिक, यात्रियों को उनके गंतव्य दिल्ली तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। एयर इंडिया ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर उसकी ग्राउंड टीम यात्रियों को तत्काल सहायता और जरूरी सहयोग मुहैया करा रही है। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। एयर इंडिया के अनुसार, विमान को तकनीकी समस्या के कारण डायवर्ट किया गया था और सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत विमान की आवश्यक जांच की जा रही है। इधर पंजाब के अमृतसर से एक अन्य खबर सामने आई है, जिसमें कुछ विमानों को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा है। अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के परिचालन क्षेत्र में रविवार रात कई संदिग्ध ड्रोन जैसी वस्तुएं मंडराती दिखाई दीं। इसके बाद सुरक्षा कारणों से सात उड़ानों को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा। इनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल थीं। अधिकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 10 बजे रनवे के पास ड्रोन जैसी वस्तुओं की गतिविधि का पता चला। इसके तुरंत बाद पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। संदिग्ध गतिविधि के कारण करीब डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट पर सभी उड़ान संचालन रोक दिए गए।

कर्नाटक में एसआईआर के सोशल ऑडिट के लिए अभियान शुरू करेंगे प्रकाश राज

बेंगलुरु, एजेंसी। अभिनेता प्रकाश राज कर्नाटक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का सोशल ऑडिट के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू करेंगे। प्रकाश ने शनिवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि यह अभियान 20 से 30 सितंबर तक कर्नाटक के 10 जिलों में चलाया जाएगा। इस दौरान टीमें अलग-अलग बूथों पर जाएंगी और उन लोगों से साक्ष्य जुटाएगी जिनके नाम हटा दिए गए। प्रकाश ने कहा, हम पीड़ितों से मिलेंगे। हर जिले में प्रेस मीट होगी, जिसमें पीड़ित अपनी बात रखेंगे। कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया के बाद 24 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 4.46 करोड़ से अधिक वोटर हैं। अंतिम मतदाता सूची 27 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। प्रकाश ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के सिविल सोसाइटी ग्रुप भी अपने साक्ष्य जुटाएंगे।

पुलिस ने किया खुलासा

सिकंदराबाद मिलिट्री हथियार चोरी: पूर्व हवलदार ने कैसे उड़ाए थे सेना के हथियार

हैदराबाद, एजेंसी। बोलारम में मद्रास रेजिमेंट की बेहद सुरक्षित आर्मरी में चोरी के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व हवलदार यू. मल्लेश ने मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में ये चोरी की। मोबाइल फोन की टॉर्च की मदद से 37 साल के इस पूर्व फौजी ने अंधेरे में आर्मरी के आस-पास झाड़ियों के बीच रास्ता बनाया और खास हथियार व गोला-बारूद की पहचान की। रात के समय मद्रास रेजिमेंट का निचला स्टाफ आम तौर पर मेन पावर सप्लाई बंद कर देता था, जिससे सीसीटीवी और दूसरी सेवाएं बंद हो जाती थीं और पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता था।

'शराब के नशे में दिया वारदात को अंजाम' एक जांच अधिकारी ने बताया, 'वहां रात में अक्सर बहुत अंधेरा होता है। इस बात की पूरी जानकारी होने के कारण वह अपने साथ मोबाइल फोन ले गया था ताकि उसका इस्तेमाल रोशनी के लिए कर सके। पूछताछ के दौरान जब मल्लेश से पूछा गया कि क्या उसे अपराध करते समय डर नहीं लगा तो आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि शराब के नशे में होने के कारण उसमें हथियार चुराने की हिम्मत आ गई थी।'

बता दें कि किसी भी समय दो गार्ड पहरेदारी की ड्यूटी पर होते थे। एक गार्ड एक ही जगह पर तैनात रहता था, जबकि दूसरा शस्त्रागार के चारों ओर चक्कर लगाता था। पुलिस का दावा है कि गोला-बारूद वाले कमरे में चोरी करने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगा। गश्त कर रहे गार्ड की नजर से बचने के लिए मल्लेश झाड़ियों में छिपकर आगे बढ़ा।

पुलिस मल्लेश तक कैसे पहुंची

आर्मरी (हथियार रखने की जगह) तक पहुंच रखने वाले लोगों (चाहे वे अभी काम कर रहे हों या रिटायर हो चुके हों) की पहचान करते हुए अधिकारी नागरकुर्नूल में मल्लेश तक भी पहुंचे। उससे पूछताछ की गई और उसके फोन की भी जांच की गई। मल्लेश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को कोई शक नहीं हुआ और वे यह कहकर लौट आए कि जरूरत पड़ने पर उसे उपलब्ध रहना होगा। एक संयुक्त ऑपरेशन में तेलंगाना पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की सदर्न कमांड लाइजन यूनिट के अधिकारियों की टीम ने दो हफ्ते से भी कम समय में इस हाई-प्रोफाइल मामले को सुलझा लिया। एमआई अधिकारियों ने तेलंगाना पुलिस के साथ मिलकर काम किया।

मेरी जमीन हड़प ली, इंसाफ के लिए सीधे पीएम मोदी के पास पहुंचा उनका पुराना क्लासमेट; सीबीआई जांच की मांग

मुंबई, एजेंसी। मीरा रोड के रहने वाले 81 वर्षीय असगरअली वोहरा ने दशकों पुराने भूमि विवाद में न्याय पाने और मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर अपने स्कूल के क्लासमेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दरवाजा खटखटाया है। गुजरात के वडनगर स्थित बी.एन. स्कूल में पीएम मोदी के साथ पढ़ाई कर चुके असगरअली वोहरा ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और इस विवाद में हस्तक्षेप की मांग की। वोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्हें न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पीएम मोदी और वोहरा की मुलाकात की तस्वीरें और एक प्रेस नोट जारी करते हुए उम्मीद जताई कि मोदी अपने बचपन के दोस्त को न्याय जरूर दिलाएंगे।

क्या है पूरा जमीन विवाद?

वोहरा ने 1989 में एक पंजीकृत समझौते के माध्यम से भायंदर पूर्व के नवघर में लगभग 2,810 वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। उनका आरोप है कि साल 2011 में स्वयम् बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस ने उनकी इस जमीन पर अतिक्रमण कर लिया। बता दें कि यह कंपनी बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़ी हुई है। वोहरा का आरोप है कि संपत्ति के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और मूल मालिक को इसके बारे में पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया। उन्होंने आगे यह भी आरोप लगाया कि जमीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया और उस पर स्वयम् बिल्डर्स तथा सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस के नाम से कब्जा दिखा दिया गया। इस मामले में 2015 में एक एफआईआर भी दर्ज की गई थी, और वर्तमान में यह मामला अदालत में लंबित है। वोहरा ने बताया कि वे तब से राजस्व विभाग, नगर निगम के अधिकारियों और पुलिस से लगातार समाधान की गुहार लगा रहे थे। प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात के बाद, अब नगर निगम प्रशासन ने इस मामले का संज्ञान लिया है। मामले में 16 सितंबर को एक सुनवाई निर्धारित की गई है और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस तथा स्वयम् बिल्डर्स के प्रतिनिधियों को इस सुनवाई में उपस्थित रहने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

लखनऊ में ससुराल वालों ने छिपाया पति का बड़ा सच, अब 25 लाख के दहेज के लिए विवाहिता पर ढा रहे जुल्म

लखनऊ, एजेंसी। बाबू बनारसी दास (बीबीडी) थाना क्षेत्र में पति की गंभीर बीमारी छिपाकर शादी करने और बाद में 25 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। विवाहिता की शिकायत पर पति, सास और ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई है। जौनपुर निवासी तृप्ति सिंह की शादी दो दिसंबर 2022 को श्रवण सदन, राजाजीपुरम निवासी शशांक सिंह से हुई थी। वर्तमान में तृप्ति बीबीडी क्षेत्र स्थित ओमेगा ग्रीन पार्क आर्किड हाइट्स में रहती हैं। उनका आरोप है कि शादी में मायके वालों ने दान-दहेज, आभूषण, कपड़े और घरेलू सामान दिया था। शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज के रूप में 25 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाने लगा। विवाहिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद पति ने लंबे समय तक उसके साथ सामान्य वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं किए। इस बारे में पूछने पर वह नाराज हो जाता और कई-कई दिन तक उससे बात नहीं करता था। लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण उसका स्वास्थ्य भी बिगड़ गया। संक्रमण और अत्यधिक कमजोरी होने लगी। 28 नवंबर 2024 को पति की चिकित्सकीय जांच कराई गई।

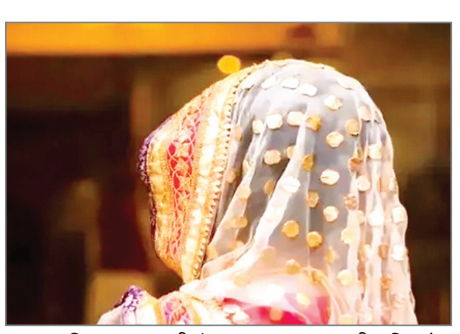

240 लोगों को लेकर निकला जहाज जावा सागर में लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में 240 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री जहाज का जावा सागर में संपर्क टूट गया है। इसके बाद रविवार को अधिकारियों ने जहाज की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा प्रांत के सुरबाया से बोर्नियो द्वीप के दक्षिण कालीमंतन प्रांत की राजधानी बंजारमासिन जा रहा था। बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि यात्रा के दौरान जहाज की संचार व्यवस्था ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद बचाव एजेंसियों ने जहाज की आखिरी ज्ञात लोकेशन का पता लगाकर तलाश शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, जहाज की आखिरी ज्ञात स्थिति जावा सागर में थी। यह स्थान बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज में कुल 240 लोग सवार थे। फिलहाल जहाज पर सवार किसी व्यक्ति के हताहत होने की कोई तत्काल सूचना नहीं है। बचाव दल समुद्र में जहाज की तलाश कर रहा है। फिलहाल जहाज से संपर्क टूटने की वजह और उसके वर्तमान स्थान की जानकारी सामने नहीं आई है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के सुरबाया से दक्षिण कालीमंतन की राजधानी बंजारमासिन के लिए रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान जावा सागर में इसका संपर्क टूट गया। अधिकारी जहाज की आखिरी लोकेशन के आधार पर खोज अभियान चला रहे हैं।

फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव

कोरोन, एजेंसी। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
[illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
[illegible]
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible]
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

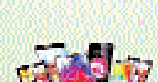

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा